छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 28 ■ अम्बिकापुर, शुक्रवार 16 जनवरी 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

24 घंटे पहले मकान खाली करने थमाया नोटिस, चलाया बुलडोजर

अपील खारिज होने के बाद गुलाब कॉलोनी में स्थित छह अवैध निर्माण जमींदोज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के गांधी चौक के पास न्यायालय परिसर से लगे गुलाब कॉलोनी से प्रशासनिक अमले ने गुरुवार को अवैध निर्माणों को जेसीबी लगाकर हटवाया। सरकारी जमीन पर वर्षों से किए गए अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाने की पूरी तैयारी प्रशासन ने पहले ही कर ली थी। कार्रवाई की भनक लगते ही संबंधित मकानों में रहने वाले लोग अपने-अपने घरों से सामान निकालने लगे। इसके पहले इन्हें स्वस्फूर्त मकान खाली करके कब्जा हटाने निर्देशित किया गया था, वहीं यहां रहने वालों ने दो दिन का समय मांगा था। इस दौरान मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल के साथ राजस्व और नगर निगम की टीम तैनात रही, ताकि कार्रवाई दौरान किसी प्रकार का व्यवधान न हो।

जानकारी के मुताबिक गुलाब कॉलोनी क्षेत्र में 6 परिवार लगभग पांच से छह दशक से नजूल की शासकीय भूमि पर मकान बनाकर रह रहे थे। इस जमीन को पहले ही शासकीय उपयोग के लिए चिन्हांकित किया गया था, लेकिन अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया मकान स्वामियों की ओर से एसडीएम, कमिश्नर न्यायालय फिर रेवेन्यु बोर्ड में की गई अपील के कारण लम्बित थी। रेवन्यु बोर्ड से 7 जनवरी को अपील खारिज हो गया था, इसके बाद प्रशासन ने अवैध निर्माण हटाने का निर्णय लिया था। प्रशासन का कहना है कि इसकी जानकारी इन मकानों में रहने वाले लोगों को थी, 24 घंटे पहले इन्हें अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई से संबंधित नोटिस जारी किया गया था। इन्हें आगाह कराया गया था कि वे अपने मकानों को खाली कर लें। गुरूवार को जब प्रशासनिक अमला मशीनरी संसाधनों के साथ मौके से कब्जा हटाने के लिए पहुंचा, तो खलबली की स्थिति बन गई। अतिक्रमण हटाने गई टीम के कड़े तेवर को देखते हुए लोग अपने मकानों से सामानों को निकालने लगे। कार्रवाई के दौरान एसडीएम और तहसीलदार मौके पर राजस्व अमले के साथ मौजूद थे, इनके निगरानी में पूरी प्रक्रिया चल रही थी।

प्रशासनिक अमले के अनुसार अतिक्रमणकारियों को पूर्व में कई बार नोटिस जारी किया गया था, लेकिन इनके द्वारा अपने स्तर पर रेवन्यु बोर्ड तक अपील की गई। सभी अपीलें खारिज होने के बाद इन्हें मकान खाली करने और स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने की हिदायत दी गई थी, लेकिन तय समय सीमा के भीतर अतिक्रमण नहीं हटा, जिसके कारण प्रशासन को अपने स्तर पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करनी पड़ी। कार्रवाई पूरी तरह से वैधानिक प्रक्रिया के तहत की जा रही है। अतिक्रमण हटाने से पहले सभी औपचारिकताएं पूरी की गई हैं। प्रभावित लोगों को अपना सामान सुरक्षित निकालने का पूरा अवसर दिया गया है।

13 शासकीय मकानों पर चला था बुलडोजर

गुलाब कॉलोनी से अतिक्रमण हटाने के बाद इस जमीन पर न्यायालय का भव्य भवन विकसित किया जाएगा। न्यायिक व्यवस्था को मजबूती देने के दृष्टिकोण से यह पहल की जा रही है। इससे शहर के विकास को भी नई दिशा मिलेगी। इसके पहले न्यायालय परिसर से लगे गुलाब कॉलोनी में वर्ष 1982 में शासकीय कर्मचारियों के लिए निर्मित 13 शासकीय भवनों पर राजस्व विभाग की टीम ने बुलडोजर चलाया था। इसके बाद अन्य कब्जाधारियों को स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने कहा गया था, लेकिन इन्होंने अपने अवैध निर्माण को नहीं हटाया।

काम बंद करके विरोध जताए थे अधिवक्ता

सरगुजा कलेक्टर विलास भोस्कर की ओर से जिला न्यायालय भवन के लिए ग्राम चठिरमा में भूमि का आबंटन किया गया था। यहां जिला न्यायालय का संचालन होने से आने वाली व्यवहारिक दिक्कतों को देखते हुए अधिक्ताओं ने वर्तमान न्यायालय परिसर के पास स्थित गुलाब कॉलोनी को खाली कराकर जिला न्यायालय परिसर को विकसित करने का आग्रह किया था। इसके बाद काम बंद हड़ताल करके कई तरीके से अधिवक्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। शहर में लम्बी रैली निकालकर जनसमर्थन भी जुटाया। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश तक जिला न्यायालय परिसर और इससे लगी भूमि को सुरक्षित करने के लिए गुहार लगाई थी, जिस पर मुख्य न्यायाधीश ने सरगुजा कलेक्टर से चर्चा करके आवश्यक दिशा-निर्देश दिए थे।

प्रभावित परिवारों ने कार्रवाई को प्रशासनिक गुंडागर्दी करार दिया

अतिक्रमण हटाने की गई कार्रवाई से प्रभावित मनोज सिंह, जितेश गोयल, मुमताज बेगम सहित अन्य ने इस कार्रवाई को प्रशासनिक गुंडागर्दी करार देते हुए कहा सिवलि सूट चलने के बाद भी इस प्रकार की कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन की ओर से न्यायालय में किसी प्रकार का जवाब दबाव में नहीं दिया जा रहा है। 8-9 लोगों को पट्टा दिया गया, लेकिन जिस गरीब से पैसा नहीं मिला उसे बेघर करने की नियत है। पट्टे के लिए दिया गया आवेदन पेंडिंग है। कोई 50 साल से तो कोई 60 साल से यहां रह रहा है। शारीरिक रूप से अशक्त सिया का कहना है उन्हें घर दिया जाए।

''न्यायालय परिसर से लगी भूमि से अवैध रूप से काबिज छह लोगों का कब्जा हटाया जा रहा है। पूर्व से यह भूमि जिला न्यायालय के लिए आबंटित है। पूर्व में बेदखली का नोटिस इन परिवारों को तहसीलदार की ओर से दिया गया था, जिस पर इन्होंने रेवन्यु बोर्ड तक अपील की थी। रेवन्यु बोर्ड से अपील खारिज होने के बाद कब्जा हटाने का निर्णय लिया गया। अपील खारिज होने के बाद भी इन मकानों में रहने वाले लोगों ने स्वयं कब्जा हटाने की पहल नहीं की। 24 घंटे पूर्व इन्हें नोटिस देकर मकान खाली करने कहा गया था। इसके बाद अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है।''

फागेस सिन्हा
एसडीएम अंबिकापुर

लिफ्ट से सेंट्रिंग प्लेट गिरा, घायल युवती की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। चेन सिस्टम लिफ्ट से सेंट्रिंग प्लेट गिरने से एक युवती गंभीर रूप से घायल हो गई, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक जशपुर जिला के फरसाबहार की पिंकी पैकरा पिता इंदरसाय 27 वर्ष, 14 जनवरी को अपने भाई संतोष पैकरा के साथ राजमिस्त्री रजत तिर्की के बुलाने पर गांव में ही सोनसाय राम भगत के मकान में काम करने के लिए गया था। मजदूर सेंट्रिंग खोलने के बाद चेन सिस्टम लिफ्ट से उतार रहे थे। 14 जनवरी को दिन में लगभग 10.30 बजे सेंट्रिंग प्लेट लिफ्ट से उतारते समय दीवाल से टकराया और नीचे मौजूद पिंकी पैकरा के ऊपर सेंट्रिंग प्लेट गिर गया, जिसमें उसे सिर में गंभीर चोटें आई थी। युवती को आननफानन में शासकीय चिकित्सालय फरसाबहार लाया गया, यहां से प्राथमिक उपचार के बाद रिफर करने पर एम्बुलेंस से मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान युवती की मौत हो गई। पुलिस ने मृतिका के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

एसीबी ने दर्ज प्रकरण में आरोपी के पास पाया अनुपातहीन संपत्ति

आरोपी एवं स्वजन की संपत्तियों के क्रय-विक्रय पर रोक का कलेक्टर ने दिया निर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिला में दर्ज भ्रष्टाचार प्रकरण में आरोपी एवं उसके परिजनों के नाम दर्ज भूमि व भवन के क्रय-विक्रय पर रोक लगाने के निर्देश जारी किए गए हैं। कलेक्टर द्वारा इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), अंबिकापुर को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए ज्ञापन जारी किया गया है।

उप पुलिस अधीक्षक, एंटी करप्शन ब्यूरो अंबिकापुर के पत्र के अनुसार आरोपी राजेन्द्र सिंह क्षत्रीय, तत्कालीन उत्पादन सहायक, छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड के विरुद्ध अनुपातहीन संपत्ति अर्जित करने के संबंध में अपराध क्रमांक 15/2020, धारा 13(1)बी एवं 13(2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) के तहत प्रकरण दर्ज है। विवेचना के दौरान आरोपी एवं उसके परिजनों के नाम जिला सरगुजा सहित अन्य जिलों में चल-अचल संपत्तियां पाए जाने की पुष्टि हुई है। जांच में अंबिकापुर तहसील अंतर्गत मौजा फुन्दुरडिहारी एवं नमना कला में श्रीमती शशि सिंह के नाम पर दर्ज भूमि तथा उन पर निर्मित आवासीय भवन पाए गए हैं, जिनका मूल्यांकन लोक निर्माण विभाग के द्वारा किया गया है। कलेक्टर ने निर्देश दिया है कि न्यायालय में प्रकरण के अंतिम निराकरण तक संबंधित संपत्तियों के क्रय-विक्रय पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए तथा नियमानुसार आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाए। कार्यवाही की जानकारी कलेक्टर कार्यालय एवं उप पुलिस अधीक्षक, एंटी करप्शन ब्यूरो अंबिकापुर को देने के भी निर्देश दिए गए हैं।

अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित 22 शिक्षकों एवं कर्मचारियों को अंतिम नोटिस जारी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिले में शैक्षणिक व्यवस्था को सुदृढ़ एवं अनुशासित बनाए रखने के उद्देश्य से लंबे समय से बिना सूचना के अनुपस्थित 22 शिक्षकों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध जिला शिक्षा अधिकारी, अंबिकापुर द्वारा अंतिम कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी सूचना में स्पष्ट किया गया है कि बिना पूर्व सूचना एवं सक्षम स्वीकृति के लंबे समय तक अनुपस्थित रहना कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही एवं स्वेच्छाचारिता को दर्शाता है, जो छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के उपनियम-03 एवं उपनियम-07 के प्रतिकूल है। इस कृत्य के लिए संबंधित कर्मचारी छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम-10 के अंतर्गत दीर्घशास्ति के भागी हैं।

तो माना जाएगा-शासकीय सेवा से त्यागपत्र

साथ ही छत्तीसगढ़ शासन, वित्त विभाग, मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर के पत्र दिनांक 22 मार्च 2018 का उल्लेख करते हुए बताया गया है कि कोई भी शासकीय सेवक यदि तीन वर्ष से अधिक की निरंतर अवधि तक कर्तव्य से अनुपस्थित रहता है, तो उसे शासकीय सेवा से त्यागपत्र दिया हुआ माना जाएगा। इसके अतिरिक्त सामान्य प्रशासन विभाग (नियम शाखा) के दिनांक 14 मई 2024 के पत्र के अनुक्रम में संबंधित शिक्षकों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के प्रावधानों के तहत सेवा से हटाने अथवा सेवा से पदच्युत किए जाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

सात दिन के अंदर प्रतिउत्तर देना अनिवार्य

जिला शिक्षा अधिकारी ने निर्देशित किया है कि संबंधित सभी शिक्षक एवं कर्मचारी अंतिम कारण बताओ नोटिस की प्राप्ति के सात दिवस के भीतर अपना प्रतिउत्तर उचित माध्यम से कार्यालय में अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें। निर्धारित समय-सीमा में अथवा समाधानकारक प्रतिउत्तर प्राप्त नहीं होने की स्थिति में नियमानुसार सेवा से हटाने अथवा पदच्युत किए जाने की कार्रवाई की जाएगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित कर्मचारी की स्वयं की होगी। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि विद्यार्थियों के हितों एवं शैक्षणिक कार्यों की निरंतरता बनाए रखने हेतु अनुशासन सर्वोपरि है, इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

सेवा किटी समूह ने हेलमेट बैंक किया शुरू, एसएसपी को सौंपा हेलमेट

सड़क हादसों में दोपहिया चालकों के जीवनरक्षा के लिए अनुकरणीय पहल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सेवा किटी समूह के द्वारा नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र सरगुजा के कार्यालय में हेलमेट बैंक का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो एवं उमेश कुमार गुप्ता आईपीएस रहे।

सेवा किटी समूह की संस्थापिका वन्दना दत्ता ने कहा कि हेलमेट का उपयोग नहीं करने से दोपहिया वाहन चालक असमय गंभीर स्थिति में पहुंच रहे हैं, या फिर मौत का वरण कर रहे हैं। सड़क दुर्घटनाओं से संवेदित होकर सेवा किटी की बहनों ने मिलकर वाहन चालकों की सुरक्षा हेतु हेलमेट बैंक के लिए हेलमेट सुपुर्द करने कार्यक्रम आयोजित किया है। हेलमेट बैंक की स्थापना हेतु स्वैच्छिक रूप से नीलम सिंह सेवा किटी सदस्य ने 10 हेलमेट, समाजसेवी अनिल कुमार मिश्रा ने 5 हेलमेट तथा नगर पालिका निगम अंबिकापुर के सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी ने 51 हेलमेट देने कहा है। सेवा किटी समूह के द्वारा प्रदत्त 11 हेलमेट से हेलमेट बैंक का शुभारंभ अतिथियों के द्वारा किया गया । मुख्य अतिथि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा राजेश अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि सेवा किटी समूह की सोच एवं यातायात व्यवस्था के संबंध जो संवेदनशीलता है वह प्रशंसनीय है। इससे समुदाय के अन्य लोग भी प्रेरित होंगे। इस अभिनव पहल के लिए उपस्थित सभी लोगों को उन्होंने साधुवाद दिया। विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो ने कहा कि स्वैच्छिक संगठनों एवं सरगुजा पुलिस के द्वारा संचालित नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान के द्वारा हेलमेट बैंक का संचालन उत्कृष्टता के साथ करेगा। इस अवसर पर नवा बिहान के संयोजक मंगल पाण्डेय, समन्वयक अनिल कुमार मिश्रा, नवा बिहान सदस्य अजय तिवारी, मनोज भारती, नीरज पाण्डेय, सुनिधि शुक्ला, रेहान रजा खान, सेवा किटी समूह की सदस्य नीलिमा गोयल, विमला अग्रवाल, स्मिता तिवारी, नमिता चावला उपस्थित रहीं।

मकर संक्रांति के अवसर पर जिपं सीईओ ने बच्चों को कराया न्योता भोज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार अग्रवाल ने गुरुवार को मकर संक्राति के अवसर पर संकुल केन्द्र बड़ा दमाली के प्राथमिक शाला पाकजाम एवं माध्यमिक शाला पाकजाम के विद्यार्थियों को न्योता भोज कराया। उन्होंने सपरिवार उपस्थित होकर बच्चों के साथ भोजन किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ने प्रेरित किया तथा उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बच्चों को नए वर्ष की डायरी प्रदान की। इस दौरान समग्र शिक्षा के जिला मिशन समन्वयक सर्वजीत कुमार पाठक एवं विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक संजीव भारती सहित शिक्षक उपस्थित रहे।

मजदूर बेच दिए कोल्ड स्टोर में रखा 21.15 क्विंटल चिरौंजी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मणिपुर थाना क्षेत्र के ग्राम लोधिमा में स्थित अमन कोल्ड स्टोरेज से 47 बोरी चिरौंजी गुठली बेचने के मामले में पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है। आरोपियों ने घटना को 29.05.2025 से 10.01.2026 के मध्य अंजाम दिया। चोरी गए चिरौंजी की कीमत 50 हजार रुपये बताई जा रही है। अमन कोल्ड स्टोरेज के मैनेजर मोनु अग्रवाल पिता संतोष अग्रवाल निवासी मठपारा ने पुलिस को बताया है कि उसके कोल्ड स्टोर में कुलदीप अग्रवाल लखनपुर के द्वारा 48 बोरी चार गुठली, चिरौंजी 29.05.2025 को रखवाया गया था। 10.01.2026 को व्यापारी अपना माल लेने आया तो वह मुंशी अशोक, जिसके लेबर काम करते हैं, उसके साथ चिरौंजी को देखने गया तो केवल एक बोरी माल नजर आया। 47 बोरी में रखा गया 21.15 क्विंटल चिरौंजी नहीं मिला। मुंशी जब अपने लेबर से पूछताछ किया तो सामने आया कि ग्राम लोसंगी लखनपुर के आकाश किण्डो और प्रदीप पैंकरा ने चिरौंजी चोरी करके कहीं बेचा है। रिपोर्ट पर मणिपुर थाना पुलिस दोनों आरोपियों के विरूद्ध मामला दर्ज करके अग्रिम कार्रवाई कर रही है।

महावीरपुर व संजयनगर में निर्माण कार्यों का मंत्री ने किया लोकार्पण व भूमिपूजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने आज गांव बस्ती चलो अभियान अंतर्गत ग्राम पंचायत महावीरपुर एवं संजयनगर का दौरा किया।

इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों एवं आमजन से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी और कई मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि जनसमस्याओं का समाधान सीधे जनता के बीच जाकर किया जाए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़ी समस्याओं का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े गुरुवार को ग्राम पंचायत महावीरपुर में नाली निर्माण कार्य के भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल कार्य ग्रामीण सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ जनजीवन को अधिक सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

इस अवसर पर सुरजपुर जनपद उपाध्यक्ष मनमत बछाड़, शिवनंदनपुर मंडल अध्यक्ष हरीश राजवाड़े, श्यामू साहू, नेपाल समद्दार, हरेंद्र मजूमदार, तारक मंडल, लखन समद्दार, श्यामल समद्दार, भावेश समद्दार, विश्वनाथ विश्वास, सुब्रत, बाबूलाल विश्वास, निरंजन राय, सूरज मंडल, मिथुन, प्रकाश मंडल, शतरंजन चौधरी, सरपंच श्रीमती समरी, सुभाष, राधे गुप्ता, रोहित समद्दार, प्रीतम, शशि, पिंटू, संजीत समद्दार, योगेश व अन्य उपस्थित थे।

गौचर भूमि की अवैध बिक्री पर बड़ी कार्रवाई, दोषियों पर एफआईआर के निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। लटोरी तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत कमलपुर में शासकीय गौचर मद की भूमि की बिना कलेक्टर अनुमति के अवैध बिक्री के मामले में प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है।

सूरजपुर एसडीएम ने कलेक्टर के निर्देश उपरांत तहसीलदार लटोरी को निर्देश जारी कर दोषी व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर कराने के आदेश दिए हैं। प्रशासन को प्राप्त शिकायत एवं संयुक्त जांच दल की रिपोर्ट के अनुसार ग्राम पंचायत कमलपुर स्थित खसरा नंबर 1 रकबा 19.16 एकड़ भूमि शासकीय गौचर मद में दर्ज है। जांच में पाया गया कि वर्ष 1995-96 के पुनः सर्वेक्षण के दौरान खसरा नंबर 86 एवं 87 से भूमि का गलत विभाजन कर नया खसरा नंबर तैयार किया गया, जिसे बाद में गौचर भूमि के रूप में दर्ज किया गया। संयुक्त जांच दल की रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि हल्का पटवारी द्वारा खसरा नंबर 1/14 एवं 1/27 की भूमि बिक्री हेतु गलत चौहदी तैयार की गई। आरोप है कि लक्ष्मी कुमार, बनारसी, अंकित दुबे द्वारा आपसी मिलीभगत से शासकीय भूमि की खरीद फरोख्त की गई और इसे निजी भूमि दर्शाते हुए रजिस्ट्री करा दी गई है। जांच प्रतिवेदन में स्पष्ट किया गया है कि यह कृत्य गंभीर प्रशासनिक लापरवाही एवं आपराधिक कृत्य की श्रेणी में आता है। इसी आधार पर सुरजपुर एसडीएम शिवानी जायसवाल ने थाना जयनगर में संबंधित आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही प्रशासन ने तहसीलदार लटोरी को मामले में की गई कार्रवाई की जानकारी शीघ्र कार्यालय में प्रस्तुत करने के भी आदेश भी दिए हैं। इस मामले के उजागर होने के बाद राजस्व विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। इस गंभीर मामले में और भी अधिकारियों-कर्मचारियों की भूमिका की जांच की संभावना जताई जा रही है।

किशोरी से दुष्कर्म मामले में पंचायत सचिव गिरफ्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। किशोरी के साथ दुष्कर्म किए जाने के मामले में पुलिस ने एक पंचायत सचिव को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश कर दिया है। जयनगर पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत करतमा निवासी 47 वर्षीय पंचायत सचिव गौतम प्रधान पिता तीरथ प्रधान द्वारा गत दिनों एक किशोरी के साथ दुष्कर्म किया था। मामले में पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने पोस्को एक्ट समेत अन्य धाराओं के तहत जुर्म दर्ज कर गुरुवार को पंचायत सचिव को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश कर दिया है। कार्यवाही में जयनगर थाना प्रभारी टीआई रूपेश कुंतल एक्का, सहायक उपनिरीक्षक मनोज द्विवेदी, प्रधान आरक्षक राजेंद्र एक्का, आरक्षक सुरेश साहू, नीरज झा, हरिशंकर, आसिफ अख्तर व अन्य सक्रिय रहे।

सीपीआरएमएस योजना में भेदभाव का आरोप, कोयला मंत्री को लिखा पत्र

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। बैकवर्ड क्लास ओबीसी कोल इम्प्लॉइज वेलफेयर एसोसिएशन एसईसीएल के केंद्रीय महासचिव मंगला सिंह यादव ने कोयला मंत्री को पत्र लिखकर कोल इंडिया की सीपीआरएमएस योजना में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच किए जा रहे भेदभाव की शिकायत की है। पत्र में मंगला यादव ने उल्लेख किया है कि सीपीआरएमएस योजना अंतर्गत अधिकारियों और कर्मचारियों से समान रूप से 40 हजार रुपए का अंशदान लिया जा रहा है, लेकिन बावजूद इसके दोनों वर्गों को दिए जाने वाले चिकित्सकीय लाभों में अत्यधिक एवं अनुचित असमानता बरती जा रही है। उन्होंने इस नीति को अन्यायपूर्ण बताते हुए कहा है कि यह संविधान की मूल भावना, समानता के सिद्धांत तथा सामाजिक सुरक्षा के उद्देश्य के विरुद्ध है। यादव ने पत्र में आरोप लगाया है कि समान योगदान के बावजूद कर्मचारियों को अधिकारियों की तुलना में कम सुविधाएं देना प्रबंधन की भेदभावपूर्ण मानसिकता को दर्शाता है।

उन्होंने पत्र में बिंदुवार रूप से सीपीआरएमएस योजना के अंतर्गत कोयला कर्मचारियों के साथ किए गए भेदभाव का उल्लेख करते हुए योजना की तत्काल समीक्षा करने तथा सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को समान लाभ प्रदान करने की मांग की है। उन्होंने कोयला मंत्री से इस संबंध में हस्तक्षेप कर न्याय दिलाने की अपील की है।

बलरामपुर बंद खदान को शुरू कराने हुई बैठक रही बेनतीजा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। बलरामपुर बंद खदान को पुनः शुरू कराने की मांग को लेकर प्रबंधन और श्रमिक संगठन के बीच चली आ रही खींचतान अब और तेज होती नजर आ रही है। गुरुवार को क्षेत्रीय महाप्रबंधक कार्यालय में आयोजित अहम बैठक किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच सकी, जिसके बाद श्रमिक संगठन एचएमएस ने अपने आंदोलन को और उग्र करने का ऐलान कर दिया है। बैठक में प्रबंधन और एचएमएस संगठन के प्रतिनिधियों के बीच लंबी चर्चा हुई।

प्रबंधन की ओर से यह आश्वासन दिया गया कि बलरामपुर खदान को अप्रैल माह तक पुनः चालू कराने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं और इस संबंध में श्रमिक संगठन द्वारा पूर्व में दिए गए पत्र को कोल मुख्यालय भेज दिया गया है। क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय सिंह ने यूनियन प्रतिनिधियों को भरोसा दिलाया कि खदान संचालन को लेकर उच्च स्तर पर विचार चल रहा है। हालांकि एचएमएस संगठन इस आश्वासन से संतुष्ट नहीं दिखा। संगठन के पदाधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि केवल आश्वासन नहीं, बल्कि ठोस निर्णय और समयबद्ध कार्रवाई चाहिए। इसी कारण संगठन ने अपने चरणबद्ध आंदोलन को जारी रखने का निर्णय लिया है। इसके तहत आज 16 जनवरी से क्षेत्रीय महाप्रबंधक कार्यालय के सामने क्रमिक भूख हड़ताल शुरू करने की बात कही गई है। बैठक में प्रबंधन की ओर से क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय सिंह, कार्मिक प्रबंधक एसकेपी शिंदे और हरेंद्र तिवारी मौजूद रहे, वहीं श्रमिक संगठन की ओर से रामाशीष पाल, देवेंद्र मिश्र, परमजीत सिंह, लखन कुर्रे, नरेंद्र सिंह चौहान, अरविंद सिंह, शिवाकांत मिश्र और शैलेन्द्र सिंह ने संगठन का पक्ष रखा।

गौरतलब है कि इससे पहले 9 जनवरी को भी एचएमएस संगठन ने बलरामपुर और कुमदा की बंद खदानों को पुनः चालू कराने की मांग को लेकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर प्रबंधन को ज्ञापन सौंपा था।बावजूद इसके अब तक कोई ठोस निर्णय सामने नहीं आने से श्रमिकों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।बलरामपुर खदान का संचालन बंद रहने से न सिर्फ श्रमिकों के रोजगार पर असर पड़ा है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। ऐसे में आने वाले दिनों में आंदोलन और तेज होने के संकेत मिल रहे हैं।

खेलकूद प्रतियोगिता में महिला प्रतिभागियों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिला प्रशासन मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत के निर्देशानुसार प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी खेल एवं युवा कल्याण विभाग, द्वारा मंगलवार को जिला स्तरीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन यहां अग्रेसन स्टेडियम में किया गया। जिसमें अतिथि के रूप जिला महामंत्री अशोक सिंह रहे। इस कार्यकम में प्रतिवेदन जिला खेल अधिकारी द्वारा किया गया। जिला स्तरीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता विकासखण्ड से चयनित विभिन्न खेलो में 02 आयु वर्ग के महिलाए ने भाग लिया, जिला स्तरीय महिला खेलकूद मे एथलेटिक्स, खो-खो, वॉलीबाल, बैडमिंटन, रस्साकस्सी, फुटबॉल और बास्केटबॉल खेलों का आयोजन किया गया।एथलेटिक्स आयु वर्ग 9-18 वर्ष वाला 100 मी. दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सूश्री पूनम राजवाड़े एथलेटिक्स आयु वर्ग 18-35 वर्ष वाला 100 मी. दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर गीतांजली, 400 मी. 9-18 वर्ष दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर खुशी, 400 मी. 18-35 वर्ष दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर मानती, खो-खो आयुवर्ग 9-18 वर्ष प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर भैयाथान की टीम द्वितीय स्थान पर सूरजपुर की टिम खो-खो आयुवर्ग 18-35 वर्ष प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सूरजपुर की टीम रही, द्वितीय स्थान पर भैयाथान की टीम रही, तवाफेक आयुवर्ग 9-18 वर्ष प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सुनैना राजवाडे, तवाफेक आयुवर्ग 18-35 वर्ष प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर चयाकुमारी, फुटबॉल आयुवर्ग 9-18 वर्ष प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर प्रेमनगर की टीम, द्वितीय स्थान पर भैयाथान की टीम रही, वॉलीबॉल आयुवर्ग 9-18 वर्ष प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर भैयाथान की टिम द्वितीय स्थान पर ओडगी की टिम रही, वॉलीबॉल आयुवर्ग 18-35 वर्ष प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर भैयाथान की टीम द्वितीय स्थान पर सूरजपुर की टीम रही, बैंडमिंटन आयुवर्ग 9-18 वर्ष प्रतियोगिता में प्रथम स्थान तनुजा रानी, द्वितीय स्थान सोफिया परवीन, बैडमिंटन आयुवर्ग 18-35 वर्ष प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सुनैना, द्वितीय स्थान नितू, बास्केटबॉल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सूरजपुर की टीम, द्वितीय स्थान प्रेमनगर की टीम ने प्राप्त किया, रस्साकस्सी जुनियर वर्ग मे भैयाथान की टिम व द्वितीय स्थानपर ओडगी की टीम, सिनियर वर्ग में प्रेमनगर की टीम, प्रथम स्थान पर व द्वितीय स्थान पर भैयाथान की टीम रही। इस कार्यकम का अभार व्यक्त जिला खेल अधिकारी श्रीमती आरती पाण्डे के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने मे सीमांचल त्रिपाठी, राजनाथ, राजलाल प्रजापती, बालेन्द्र साहू, रावेन्द्र वर्मा, सेलिना, सुनैना जायसवाल, बलवीर सिंह, आशीष व आयोजन में सम्मिलित कर्मचारियों की रही। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियो को पुरस्कृत कर कार्यक्रम की समाप्ति की गई।

अग्रेसन स्टेडियम में हुआ आयोजन

प्रतापपुर में नए व्यवहार न्यायालय भवन निर्माण हेतु उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने किया वर्चुअल भूमि पूजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के न्यायिक क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई है। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर जिले के प्रतापपुर में नए व्यवहार न्यायालय भवन के निर्माण के लिए ऑनलाइन माध्यम से भूमि पूजन और शिलान्यास किया। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा के साथ न्यायमूर्ति राधाकिशन अग्रवाल, पोर्टफोलियो जज सूरजपुर इस महत्वपूर्ण शुभ अवसर पर शामिल रहे। बिलासपुर उच्च न्यायालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े न्यायमूर्ति श्री सिन्हा ने अपने संबोधन में प्रतापपुर की जनता और न्यायिक अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि नया भवन आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा, जिसमें आधुनिक कोर्ट रूम, रीडर रूम, बिटनेस रूम, चौम्बर, वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग हॉल, नजारत, सेन्ट्रल फाइलिंग रूम, बार रूम, वीआईपी वेटिंग एरिया आदि होने से उसका लाभ आमजन मानस एवं न्यायालय आ रहे प्रत्येक व्यक्ति को होगा। उन्होनें पीडब्ल्यू डी विभाग को नवीन भवन निर्माण को समय पर पूरा करने एवं बेस्ट क्वालिटी मैटेरियल का उपयोग करने के निर्देश दिए तथा साथ ही साथ उन्होनें प्रधान जिला न्यायाधीश सूरजपुर को इस कार्य की निगरानी का भी जिम्मा दिया। प्रतापपुर के अधिवक्तागण और आम जनता के लिए यह सालों पुराना सपना सच होने जैसा है। नए हाईटेक भवन से न केवल अदालती कार्यवाही तेज होगी, बल्कि गवाहों और पक्षकारों को भी आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। इस अवसर पर श्रीमती विनीता वार्नर, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, श्रीमती प्रज्ञा पचौरी, न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय, मानवेन्द्र सिंह, प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, ओम प्रकाश सिंह चौहान, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रतापपुर, प्रशांत कुमार ठाकुर, पुलिस अधीक्षक, विजेन्द्र सिंह पाटले, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, न्यायाधीशगण, सूरजपुर बार अध्यक्ष बलराम शर्मा समेत सूरजपुर व प्रतापपुर के अधिवक्तागण एवं कर्मचारिगण प्रत्यक्ष एवं वर्चुअल रूप से इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में शामिल हुए।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दस्तावेज सत्यापन के लिए जारी किया गया नया विकल्प

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के द्वारा मतदाताओं को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं की दिशा में एक नई पहल करते हुए मतदाताओं को मतदाता संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिये ईसीआईनेट मोबाइल एप्लीकेशन में नया विकल्प प्रदान किया है। जिसमें मतदाता को जारी नोटिस के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित 12 प्रकार के दस्तावेजों को ऑनलाइन अपलोड करने की सुविधा प्रदान की गई है। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री चेतन बोरघरिया ने बताया कि वर्तमान में जिले में निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण, अर्हता तिथि का कार्य चल रहा है, जिसके तहत् पात्र मतदाताओं का नाम निर्वाचक नामावली में जोड़ने तथा अपात्र मतदाताओं का नाम विलोपित किये जाने की कार्यवाही की जा रही है। इस संबंध में उन्होंने बताया गया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रथम चरण में गणना पत्रक वितरण, संकलन तथा ऑनलाईन किये जाने एवं प्रारंभिक प्रकाशन उपरांत दावा आपत्ति प्राप्त की जा रही है। बताया गया कि गणना पत्रक संग्रहण उपरांत जिले में कुल 12114 ऐसे मतदाता हैं जिन्होने गणना पत्रक में वर्ष 2003 में स्वयं का अथवा माता-पिता, दादा-दादी का विवरण नहीं दिया है। ऐसे मतदाताओं को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा संबंधित मतदाताओं को नोटिस जारी किया गया है। जारी नोटिस की सुनवाई के दौरान मतदाता को आयोग द्वारा निर्धारित 12 प्रकार के दस्तावेजों में से किसी 01 को सत्यापन हेतु प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य होगा। इस प्रक्रिया को और अधिक सरल बनाते हुए भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा ईसीआईनेट मोबाइल एप्लीकेशन में नया विकल्प प्रदान किया है, जिसमें मतदाता को जारी नोटिस के संबंध में निर्धारित दस्तावेजों को संबंधित बूथ लेवल अधिकारियों के माध्यम से ऑनलाइन अपलोड किया जा सकेगा तथा इन दस्तावेजों का सत्यापन ईगेनेट के माध्यम से संबंधित निर्वाचक/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा किया जावेगा। मतदाता द्वारा सत्यापन हेतु प्रस्तुत दस्तावेज की मूल प्रति के साथ सुनवाई तिथि को संबंधित मतदाता का उपस्थित होना अनिवार्य होगा।

30 महिलाओं को मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने किया साइकिल वितरण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। महिला सशक्तिकरण को सुदृढ़ करने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने भटगांव विधानसभा क्षेत्र में 30 महिला हितग्राहियों को साइकिल वितरित किया। यह कार्यक्रम सुहानी महिला समिति एवं ऑफिसर्स एसोसिएशन भटगांव क्षेत्र के सौजन्य से आयोजित किया गया। जिसमें ग्राम पंचायत बीरपुर, कसकेला, कसलगिरी, जुड़वानी एवं शिवसागरपुर की महिलाओं को लाभान्वित किया गया।कार्यक्रम में मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। साइकिल जैसी सुविधाएं महिलाओं की दैनिक आवश्यकताओं को सरल बनाने के साथ उनके आत्मविश्वास और स्वावलंबन को भी मजबूती प्रदान करती हैं। उन्होंने सुहानी महिला समिति एवं ऑफिसर्स एसोसिएशन द्वारा किए जा रहे सामाजिक और जनकल्याणकारी कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में एसईसीएल भटगांव क्षेत्र के महाप्रबंधक दिलीप माधवराव बोबड़े ने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण ही समाज के समग्र विकास की मजबूत नींव है। सुहानी महिला समिति की अध्यक्ष श्रीमती वैशाली बोबड़े ने समिति की गतिविधियों की जानकारी दी।कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी, समिति की सदस्य व नागरिक उपस्थित थे।

जमीन बेचने के नाम पर 64 लाख की ठगी, कांग्रेस नेता सहित तीन पर केस दर्ज

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर । जमीन बेचने का झांसा देकर बिल्डर से 64 लाख रुपए की ठगी करने के मामले में पुलिस ने कांग्रेस नेता सहित तीन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। सिविल लाइन थाना प्रभारी एसआर साहू ने बताया कि गोंड़पारा निवासी पंकज भोजवानी पिता मोहन भोजवानी की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई है। पंकज भोजवानी पीएम कंस्ट्रक्शन के भागीदार हैं और जमीन खरीदकर मकान निर्माण का कार्य करते हैं। शिकायत के अनुसार वर्ष 2023 में उनकी मुलाकात कांग्रेस नेता टाकेश्वर पाटले के माध्यम से लालखदान निवासी नागेन्द्र राय से हुई थी। दोनों ने उन्हें श्रीकांत वर्मा मार्ग स्थित एक जमीन दिखाई और जमीन मालिक बोदरी निवासी हनजिन्दर कौर एवं उसके पति ज्ञान सिंह से मिलवाया। ज्ञान सिंह ने बताया कि जूना बिलासपुर में उनकी पत्नी के नाम पर जमीन है, जिसका सीमांकन बाकी है। इसके बाद तीन करोड़ रुपए में सौदा तय हुआ। आरोप है कि पंकज भोजवानी ने अलग-अलग किस्तों में तीनों आरोपियों को कुल 64 लाख रुपए दे दिए, लेकिन इसके बाद रजिस्ट्री के नाम पर उन्हें लगातार घुमाया जाता रहा। इसी बीच पता चला कि जमीन मालिक ने वही जमीन किसी अन्य व्यक्ति को बेचने के लिए 50 लाख रुपए और ले लिए हैं। पुलिस ने मामले में जमीन मालिक ज्ञान सिंह, कांग्रेस नेता टाकेश्वर पाटले और नागेन्द्र राय के खिलाफ धारा 420 और 34 के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लीथियम खदान की नीलामी करने वाला देश का पहला राज्य बना छत्तीसगढ़ : पी दयानंद

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । छत्तीसगढ़ राज्य प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण है। राज्य सरकार द्वारा खनिजों के विकास एवं दोहन के लिए की जा रही योजनाबद्ध कार्यवाही के परिणामस्वरूप राज्य के खनिज राजस्व में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है। छत्तीसगढ़ लीथियम खदान की नीलामी करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। सचिव भौमिकी एवं खनिकर्म पी दयानन्द ने कहा कि राज्य गठन के समय 429 करोड़ खनिज राजस्व में वृद्धि करते हुये अपने रजत जयंती वर्ष 2024-25 तक 14,592 करोड़ का सोपान तय किया है तथा वित्तीय वर्ष 2025-26 में माह दिसम्बर, 2025 तक खनिजों से राज्य शासन को लगभग 10,345 करोड़ राजस्व प्राप्त हो चुका है एवं वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक लगभग 17,000 करोड़ लक्ष्य की पूर्ति हेतु अग्रसर है। छत्तीसगढ़ राज्य देश में कुल खनिज उत्पादन का औसतन 17 प्रतिशत हिस्सेदारी में योगदान है तथा राज्य के कुल सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 10 प्रतिशत योगदान दे रहा है। सचिव ने बताया कि खान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी प्रधानमंत्री खनिज कल्याण क्षेत्र योजना गाईड लाईन-2024 के मार्गदर्शी सिद्धांतों को आत्मसात कर छत्तीसगढ़ जिला खनिज संस्थान न्यास नियम, 2015 में संशोधन किये गये है। अब तक डीएमएफ अन्तर्गत 16,742 करोड़ का अंशदान प्राप्ति हुई है जिसका खनन प्रभावित क्षेत्रों/लोगों के विकास हेतु 1.07,689 कार्यों की स्वीकृति की गई है, जिसमें से 75,901 कार्य पूर्ण हो गये है तथा शेष प्रगतिरत है। उन्होंने बताया कि डीएमएफ निधि के समायोजन द्वारा कुल जिला खनिज संस्थान अन्तर्गत होने वाले कार्यों का समुचित निगरानी, वित्तीय स्वीकृति, प्रबंधन एवं नियंत्रण एवं उत्तरदायिता के साथ कार्य किये जाने हेतु केन्द्र सरकार के डीएमएफ पोर्टल की भांति राज्य डीएमएफ पोर्टल 2.0 लागू किया गया है। दयानन्द ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा खनिज अधिनियम, 1957 में संशोधन करते हुए. देश में खनिजों की खोज हेतु राष्ट्रीय खनिज खोज विकास न्यास (एनएमईडीटी) गठन किया गया। उक्त न्यास मद में वर्ष 2015-16 से अब तक माह दिसम्बर 2025 तक 1,159 करोड़ रुपए जमा किया जा चुका है। सचिव ने बताया कि प्रधानमंत्री के मंशानुसार क्रिटिकल मिनरल्स को विकसित भारत 2047 की दृष्टिगत में अति-महत्वपूर्ण माना गया है। तत्संबंध में भारत सरकार द्वारा नेशनल क्रिटिकल मिशन लागू किया गया है। जिससे क्रिटिकल मिनरल्स की खोज एवं दोहन को बढ़ावा दिया जा रहा है। दयानंद ने बताया कि छत्तीसगढ़ लीथियम खदान की नीलामी करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। केन्द्र सरकार द्वारा कोरबा जिले के कटघोरा तहसील अन्तर्गत लीथियम और दुर्लभ खनिज का नीलामी किया गया है। राज्य में लीथियम खदान खुलने से स्थानीय बेरोजगारों के लिए रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। वर्तमान परिदृश्य में क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक मेनरल्स की महत्ता काफी बढ़ गई है, जिसके दृष्टिगत छत्तीसगढ़ राज्य के सुकमा तथा बस्तर जिले के बेंगपाल एलिंगनार कोमाकोलेंग क्षेत्र में लीथियम, नियोबियम, टेंटेलम तथा आरईई खनिज की खोज हेतु अधिसूचित प्रायवेट सेक्टर एक्सप्लोरेशन एजेंसियों के माध्यम से एनएमईटी के तहत 01 परियोजना स्वीकृत की गई है।

कुमेली जल प्रपात में मकर संक्रान्ति के अवसर पर संक्रांति मेले का भव्य आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। क्षेत्र के प्रसिद्ध पिकनीक स्थल कुमेली जल प्रपात में मकर संक्रान्ति के अवसर पर संक्रांति मेले का भव्य आयोजन हुआ। सुबह से ही हजारों की संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंच कर भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना कर प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर जल प्रपात का नजारा देखकर मेले का आनंद लिया।कुमेली महोत्सव आयोजन समिति द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, श्रद्धालुओं ने पूजा-पाठ और झरना देखने के साथ ही शैला नृत्य व सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी लुत्फ उठाया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक भूलन सिंह मरावी के साथ भाजपा जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष रेखा राजवाड़े जनपद अध्यक्ष गुलाब सिंह पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष व रेडक्रास सोसायटी के चेयरमैन बाबूलाल अग्रवाल आदि जनप्रतिनिधियों की गरिमामय उपस्थिति में शिव मंदिर नव निर्माण का भूमिपूजन किया गया। दरअसल यहां पहले से ही शिव मंदिर का निर्माण हुआ है, जो काफी छोटा है,छोटा मंदिर होने से श्रद्धालुओं को पूजा अर्चना करने में बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है।लिहाजा पिछले साल के संक्रांति पर्व पर आयोजित कुमेली महोत्सव में ही यह निर्णय हुआ था कि यहां पर नया मंदिर निर्माण आवश्यक है। इस बार के कुमेली महोत्सव में शिरकत करने पहुंचे मुख्य अतिथि विधायक भूलन सिंह के हाथों मंदिर निर्माण का विधि-विधान से भूमिपूजन कार्यक्रम संपन्न कराया गया।मेले में क्षेत्र से 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं की संख्या का अनुमान लगाया गया। कार्यक्रम में भाजपा महामंत्री शशि कांत गर्ग, कोषाध्यक्ष संदीप अग्रवाल, पूर्व कोषाध्यक्ष थलेश्वर साहू, जिला मंत्री राजेश्वर तिवारी,भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन सिंह, देवनगर मंडल अध्यक्ष अनिल साहू, सूरजपुर मंडल अध्यक्ष अरविंद मिश्रा, महामंत्री सौभाग्य दुबे, सुमित साहू, दरोगा सिंह, जनपद सदस्य कवल साय सिंह,जानकी सिंह, अनिता सिंह, सरपंच मीरा सिंह, उप-सरपंच गोपाल सिंह, खेल साय राजवाड़े, मेला अध्यक्ष राजू सिंह, पूर्व सरपंच लालकेश्वर सिंह, आदि मंचासीन थे। वहीं कार्यक्रम को संचालित करने में नीतीश कुमार, रामप्रसाद,पारस राम,विनय दास, घनश्याम, उमेश्वर,तेज प्रताप, जहीर खान,सूरज सोनी,प्रेम पैकरा, नंदू यादव,जय सिंह, निर्मल दास, सत्यनारायण, लालकेश्वर आदि कार्यकताओं का सक्रिय योगदान रहा।

शासन की संवेदनशील पहल से साकार हुआ दिव्यांग बेटियों के विवाह का सपना

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बलरामपुर - मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना उन बेटियों के लिए आशा की किरण बनकर सामने आई है, जिनके जीवन में आर्थिक या शारीरिक चुनौतियों के कारण विवाह एक सपना ही रहा जाता है। ऐसी ही जिले के दिव्यांग बेटियों की कहानी है जिनका जीवन योजना से नई दिशा पा सका। जिले के विकासखण्ड शंकरगढ़ के ग्राम पंचायत कोदवा निवासी सुषमा 60 प्रतिशत पैर से दिव्यांग हैं। सामाजिक और आर्थिक स्थिति के कारण दिव्यांग बेटी के विवाह को लेकर परिवार को लगातार कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। समय बीतता जा रहा था समय के साथ सुषमा 32 वर्ष की हो गई और सुषमा का दुल्हन बनने का सपना अधूरा ही प्रतीत हो रहा था। ऐसे समय में मकर संक्रांति के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत सुषमा का विवाह संपन्न हुआ। शासन की इस योजना ने न केवल विवाह की समस्त व्यवस्थाएँ सुनिश्चित कीं, बल्कि सुषमा के जीवन में नई शुरूआत का विश्वास भी जगाया। विवाह उपरांत सुषमा ने भावुक होकर मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि चाहे परिस्थितियाँ कैसी भी हों राज्य सरकार हर बेटी के साथ खड़ी है। और उनके सपनों को पूरा करने में सहयोग कर रही है। इसी तरह विकासखंड कुसमी के ग्राम पंचायत गोपीनगर निवासी अंजिला सुनने और बोलने में अक्षम हैं।

कलेक्टर का एक्शनः 6 कर्मचारी निलंबित, 4 राइस मिलों को नोटिस

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

दुर्ग । जिला कलेक्टर अभिजीत सिंह ने खाद्य विभाग के कंट्रोल रूम में लापरवाही बरतने वाले छह कर्मचारियों पर कार्रवाई की है। इन कर्मचारियों को नोटिस जारी किया गया है और उनके वेतन रोकने के निर्देश दिए गए हैं। यह कार्रवाई जिला कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के औचक निरीक्षण के दौरान हुई, जहां कलेक्टर को आम जनता की शिकायतों पर कार्रवाई के लिए जिम्मेदार कर्मचारी नदारद मिले। कंट्रोल रूम में मिली शिकायतों के आधार पर, कलेक्टर ने चार राइस मिलों में स्टॉक और परिवहन व्यवस्था की जांच के लिए टीमें भेजीं। ये टीमें भरर स्थित नारायण राइस मिल, गाड़ाडीह के श्रीश्याम एग्रो, रिसामा के साई राम और उतई क्षेत्र की सतगुरु ट्रेडिंग कंपनी पहुंचीं। जांच में दो मिलों में निर्धारित स्टॉक से कम अनाज पाया गया, जबकि दो अन्य मिलों के परिवहन सिस्टम में खामियां मिलीं। इस पर चारों राइस मिलों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। उनसे परिवहन में उपयोग किए गए वाहनों और चावल की जानकारी के साथ-साथ स्टॉक में अंतर के कारणों का भी स्पष्टीकरण मांगा गया है।

एडीएम को सौंपी जांच

राइस मिलर्स के मामले की जांच की जिम्मेदारी अपर जिलाधिकारी (एडीएम) अभिषेक अग्रवाल को सौंपी गई है। कलेक्टर ने स्वयं कंट्रोल रूम में बैठकर पूरी कार्रवाई की निगरानी की। राइस मिलों से जवाब मिलने के बाद प्रशासन द्वारा आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस दोहरी कार्रवाई से खाद्य विभाग में जवाबदेही तय करने और नियमों के पालन को सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है।

अवैध धान परिवहन पर प्रशासन की दबिश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। सोमवार को शाम रामानुजनगर तहसीलदार ने अवैध धान परिवहन करते पाए जाने पर पीकप वाहन में लदे 85 बोरी धान सहित वाहन को जप्त किया है। तहसीलदार द्वारा तिवरागुड़ी चौक के पास धान परिवहन करते पीकप वाहन क्रमांक सीजी 16 ए 1704 को रुकवा कर जांच की तो उसमें 85 बोरी धान लदा हुआ पाया गया। जिसे छापर पोंड़ी तहसील रामानुजनगर से छिंदीया रामानुजनगर ले जाया जा रहा था।वाहन चालक अम्बिका साहू पिता रामनरेश साहू से परिवहन कर रहे धान से संबंधित वैध दस्तावेज अभिवहन पास या समिति का टोकन दिखाने कहा गया।वाहन चालक द्वारा कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने के कारण पांच गवाहों के समक्ष जप्ती की कार्रवाई की गई। तहसीलदार द्वारा अवैध धान परिवहन पर लगातार कार्रवाई की जा रही है जिससे कोचियों में हड़कंप मचा हुआ है।बावजूद इसके इस समय रात्रि में अवैध धान का परिवहन किए जाने की बात सामने आ रही है।

अनुज शर्मा की सुरीली आवाज पर झूमे दर्शक, मंत्री श्री नेताम ने किया कलाकारों का सम्मान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बलरामपुर - बलरामपुर-रामानुजगंज जिला अपनी अनूठी संस्कृति और लोक परंपराओं के लिए प्रदेश भर में अपनी विशेष पहचान रखता है। इसी गौरवशाली विरासत को संजोने के उद्देश्य से आयोजित होने वाले ऐतिहासिक तीन दिवसीय तातापानी महोत्सव का भव्य शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने किया। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर आयोजित इस महोत्सव के पहले दिन सांस्कृतिक संध्या ने दर्शकों को उत्साह से भर दिया। महोत्सव की पहली सांस्कृतिक संध्या के मुख्य आकर्षण प्रदेश के सुप्रसिद्ध कलाकार और पद्मश्री से सम्मानित श्री अनुज शर्मा रहे। उन्होंने अपनी टीम के साथ छत्तीसगढ़ी लोकगीतों की ऐसी जादुई प्रस्तुति दी कि पंडाल में मौजूद हजारों दर्शक मंत्रमुग्ध होकर झूमने लगे। इसके साथ ही स्थानीय कलाकारों ने भी अपनी कला का प्रदर्शन कर वनांचल की समृद्ध संस्कृति की छटा बिखेरी। कार्यक्रम के दौरान जिले के विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किए। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से छात्रों ने न केवल पारंपरिक लोक नृत्यों का प्रदर्शन किया, बल्कि जिले में हो रहे विकास कार्यों को भी रचनात्मक ढंग से मंच पर उतारा।

शराब दुकान से चार कर्मचारियों का अपहरण...

चंदा वसूली से जुड़ा बताया जा रहा विवाद

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । रायपुर से एक बड़ी और सनसनीखेज खबर सामने आई है। तिल्दा-नेवरा थाना क्षेत्र में बीती देर रात शराब दुकान में घुसकर चार कर्मचारियों के अपहरण का मामला सामने आया है। हालांकि, कुछ ही देर बाद आरोपियों ने सभी कर्मचारियों को छोड़ दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानिए पूरा मामला

घटना तिल्दा-नेवरा थाना क्षेत्र के एक गांव की है, जहां अंग्रेजी शराब की दुकान संचालित है। 14 जनवरी की देर शाम दो स्कॉर्पियो गाड़ियों में सवार बदमाश दुकान पहुंचे। सभी आरोपी हाथों में डंडा-लाठी लिए हुए थे। बदमाश सीधे दुकान के अंदर घुसे और वहां मौजूद चार कर्मचारियों के साथ मारपीट करते हुए उन्हें जबरदस्ती अपने साथ उठा ले गए।

अपहरण की खबर फैलते ही छोड़े कर्मचारी

जैसे ही कर्मचारियों के अपहरण की खबर इलाके में फैली, आरोपियों ने घबराकर सभी कर्मचारियों को कुछ ही देर बाद छोड़ दिया। इसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और कर्मचारियों से पूछताछ की गई।

शिकायत दर्ज नहीं, जांच जारी

हैरानी की बात यह है कि शराब दुकान के कर्मचारियों ने अब तक इस घटना को लेकर कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई है। पूछताछ के दौरान भी कर्मचारियों ने ज्यादा जानकारी देने से परहेज किया।

पुलिस की कार्रवाई

फिलहाल इस पूरे मामले में कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई है, लेकिन तिल्दा पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और कर्मचारियों से लगातार पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

तातापानी महोत्सव के दूसरे दिन पंच-सरपंच सम्मेलन एवं कृषक संगोष्ठी का आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बलरामपुर, - तातापानी महोत्सव के दूसरे दिन आज पंच-सरपंच सम्मेलन के साथ ही कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, जनपद पंचायत अध्यक्ष बलरामपुर सुश्री सुमित्रा चेरवा, जनपद पंचायत अध्यक्ष राजपुर श्री विनय भगत, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष श्री भानु प्रकाश दीक्षित सहित क्षेत्र के पंच, सरपंच एवं जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व जनपद उपाध्यक्ष श्री भानूप्रकाश दीक्षित ने कहा कि तातापानी महोत्सव ने अब अपनी एक अलग पहचान बना ली है। उन्होंने बताया कि महोत्सव के प्रथम दिन मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के करकमलों से तीन दिवसीय तातापानी महोत्सव का भव्य शुभारंभ किया गया, जिससे क्षेत्र में उत्साह और उल्लास का वातावरण निर्मित हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा अनेक जनहितकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका बेहतर क्रियान्वयन ग्राम स्तर तक सुनिश्चित हो रहा है। पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने में पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। पीवीटीजी क्षेत्रों में जनजातीय समुदायों के सर्वांगीण विकास के लिए विशेष योजनाएं लागू की जा रही हैं। श्री दीक्षित ने प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब ग्राम पंचायतें सशक्त और विकसित होंगी। ग्राम पंचायतों के विकास से ही राज्य और देश प्रगति के पथ पर अग्रसर होंगे। इसके लिए सभी स्थानीय जनप्रतिनिधियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान परिस्थिति के साथ किसानों को को जैविक पद्धति से खेती करने को कहा।

उन्होंने कहा कि रासायनिक खाद का प्रयोग करने से भूमि की उर्वरा शक्ति कम होती है। उन्होंने किसानों को जैविक खाद वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग करते हुए उन्नत तकनीकि से खेती करते हुए कहा। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष बलरामपुर ने भी पंच-सरपंच एवं किसान संगोष्ठी को भी संबोधित किया। इस दौरान दो कृषकों एवं सरपंचों ने भी अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में दो कृषकों को किसान समृद्धि योजना के तहत चेक का वितरण एवं सरपंचों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में किसान व पंच-सरपंच उपस्थित रहे।

पंच-सरपंचों के लिए खेल प्रतियोगिता का आयोजन

तातापानी महोत्सव के अंतर्गत पंच-सरपंचों के लिए विशेष खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। कुर्सी दौड़, रस्साकसी सहित अन्य खेलों में पंच और सरपंचों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। खेल प्रतियोगिताओं ने महोत्सव के माहौल को और अधिक जीवंत एवं आनंदमय बना दिया।

सम्पादकीय

डिलीवरी बॉयज की सुरक्षा को प्राथमिकता दें कंपनियां

इटर्नल के स्वामित्व वाली इकाई ब्लिंकिट ने पहले दावा किया था कि वह 10 मिनट में सामान पहुंचाएगी। अब कंपनी ने डिलीवरी कर्मियों के कल्याण से जुड़ी बढ़ती चिंताओं के बीच सभी मंच से अपना '10 मिनट में' डिलीवरी का दावा हटा लिया है। कंपनी ने अपनी टैग-लाइन को 10 मिनट में 10,000 से अधिक उत्पाद पहुंचेंगे से बदलकर अब 30,000 से अधिक उत्पाद आपके दरवाजे पर पहुंचेंगे कर दिया है। हालांकि यह फैसला कर्मचारियों की हड़ताल और केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया के हस्तक्षेप के बाद लिया गया है। सरकार डिलीवरी कर्मियों की सुरक्षा को लेकर चिंतित थी। चूंकि 10 मिनट में डिलीवरी से राइडर्स की सुरक्षा को खतरा पैदा हो रहा था। इतने कम समय में सामान डिलीवर करने के लिए उन्हें तेज रफ्तार से बाइक चलानी होती है। इससे सड़क हादसों के कारण उनकी जान को खतरा हो रहा था। इसके अलावा उपभोक्ता से मिले ओटीपी के बाद ही उनका सामान डिलीवर माना जाता है। समय पर डिलीवरी न होने से राइडर्स की रैंक प्रभावित होती है। उत्तर भारत में जारी भीषण सर्दी और कोहरे के बीच ब्लिंकिट के फैसले से हजारों डिलीवरी बॉयज को बड़ी राहत मिलेगी। बता दें कि इस समय भीषण ठंड के कारण लोग घरों से बाहर निकलना ठीक नहीं समझते। ऐसे में वे घर का सामान ऑनलाइन मंचों से अधिक मंगाते हैं। इसके कारण डिलीवरी बॉयज पर समय पर सामान पहुंचाने की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। इतना कम समय होने के कारण सुबह-शाम ऑफिस के समय और रात को गिग वर्कर्स को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। ऐसे में कर्मचरियों पर भारी दबाव था, क्योंकि समय पर डिलीवरी नहीं होने से कर्मचरियों की परफॉर्मेंस प्रभावित होती थी। उन्हें अच्छी रैंक तभी मिलती थी, जब वे समय पर डिलीवरी कर उपभोक्ता के मोबाइल पर आने वाले ओटीपी को कंपनी के एप पर सेंड करते थे। ब्लिंकिट के बाद अब स्विगी और जेप्टो जैसे अन्य 'क्विक कॉमर्स' मंच भी इस कदम का अनुसरण कर सकते हैं। यह एक बड़ा बदलाव होगा, जो ऐसे कर्मचारियों को सुरक्षा प्रदान करेगा। दस मिनट में डिलीवरी के वादे के कारण गिग वर्कर्स ने देशव्यापी हड़ताल की थी, जिसने कर्मचारियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और आय की ओर ध्यान आकर्षित किया। हाल में 'एक्स' पर इटर्नल ग्रुप के सीईओ दीपिंदर गोयल ने लिखा था कि 10 मिनट में डिलीवरी का वादा सामान पहुंचाने वालों पर दबाव नहीं डालता है और न ही असुरक्षित ड्राइविंग का कारण बनता है, क्योंकि उन्हें एप पर 10 मिनट का टाइमर नहीं दिखाया जाता है। उन्होंने यह भी कहा था कि 10 मिनट में या उससे तेज डिलीवरी मुख्य रूप से स्टोर ग्राहकों के करीब होने के कारण होती है, न कि सड़क पर तेज रफ्तार से गाड़ी चलाने के कारण। यह फैसला डिलीवरी कर्मियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देता है, जो अक्सर अपनी जान जोखिम में डालकर डिलीवरी करते हैं। यह गिग वर्कर्स के अधिकारों को मजबूत करेगा, जो अक्सर अपने अधिकारों से वंचित रह जाते हैं। कुल मिलाकर, ब्लिंकिट का '10 मिनट में डिलीवरी' का दावा हटाने का फैसला एक महत्वपूर्ण कदम है, जो डिलीवरी कर्मियों की सुरक्षा और उनके अधिकारों को प्राथमिकता देता है। इस फैसले से यह संदेश जाता है कि कंपनियों को अपने कर्मियों की सुरक्षा और अधिकारों को प्राथमिकता देनी चाहिए, न कि सिर्फ मुनाफे को। यह फैसला अन्य कंपनियों के लिए भी एक उदाहरण हो सकता है, जो अपने कर्मियों की सुरक्षा और अधिकारों को नजरअंदाज कर रहे हैं।

पर्व

डॉ. बलवीर आचार्य

उत्तरायण का मकर संक्रांति से प्रारंभ

जितने काल में पृथ्वी सूर्य के चारों ओर परिक्रमा पूरी करती है, उसको एक 'सौर वर्ष' कहते हैं और कुछ लम्बी वर्तुलाकार जिस परिधि पर पृथ्वी परिभ्रमण करती है, उसको 'क्रान्तिवृत्त' कहते हैं। ज्योतिषियों द्वारा इस क्रान्तिवृत्त के 12 भाग कल्पित किए हुए हैं और उन 12 भागों के नाम उन-उन स्थानों पर आकाशस्थ नक्षत्र पुंजों से मिलकर बनी हुई कुछ मिलती-जुलती आकृति वाले पदार्थों के नाम पर रख लिए गए हैं। प्रत्येक भाग व आकृति 'राशि' कहलाती है। जब पृथ्वी एक राशि से दूसरी राशि में संक्रमण करती है तब उसको 'संक्रान्ति' कहते हैं। सूर्य सिद्धान्त (1.12) में कहा गया है- "राश्यन्तरं यदा सूर्यः संक्रान्तिरिति कथ्यते" लोक में उपचार से पृथ्वी के संक्रमण को सूर्य का संक्रमण कहने लगे हैं। छह मास तक सूर्य क्रान्तिवृत्त से उत्तर की ओर उदय होता रहता है और छह मास तक दक्षिण की ओर निकलता रहता है। सूर्य के उत्तर की ओर उदय की अवधि को 'उत्तरायण' और दक्षिण की ओर उदय की अवध को 'दक्षिणायन' कहते हैं। अयन का अर्थ होता है गति।

जब सूर्य की गति उत्तर की ओर होती है तब उत्तरायण (उत्तर+अयन) कहलाता है और जब सूर्य की गति दक्षिण की ओर होती है तब दक्षिणायन (दक्षिण+अयन) कहलाता है। उत्तरायण काल में सूर्य उत्तर की ओर से उदय होता हुआ दिखता है, उसमें दिन बढ़ता जाता है और रात्रि घटती जाती है। दक्षिणायन में सूर्योदय दक्षिण की ओर दृष्टिगोचर होता है। उसमें रात्रि बढ़ती जाती है और दिन घटता जाता है। सूर्य की मकर राशि की संक्रान्ति से उत्तरायण और कर्क राशि की संक्रान्ति से दक्षिणायन प्रारम्भ होता है। प्राचीन भारत में उत्तरायण और मकर संक्रान्ति एक ही दिन होते थे। अयन चलन के कारण वे धीरे-धीरे अलग हुए। सामान्यतः मकर संक्रान्ति को उत्तरायण का आरम्भ माना जाता है। खगोल विज्ञान के अनुसार सूर्य का उत्तरायण वह बिन्दु है, जब सूर्य दक्षिणी गोलार्ध में अपनी अधिकतम स्थिति (मकर रेखा) से उत्तर दिशा की ओर लौटना प्रारम्भ करता है। यह घटना 21 या 22 दिसम्बर को घटित होती है। इसे शीत अयनान्त कहा जाता है। इसी दिन उत्तरी गोलार्ध में सबसे लम्बी रात होती है। यह घटना पृथ्वी के अक्षीय झुकाव (23.5°) तथा उसकी वार्षिक परिक्रमा का प्रत्यक्ष परिणाम है। इस दृष्टि से यही समय वास्तविक या खगोलीय उत्तरायण है। भारतीय पंचांग की निरयन पद्धति के अनुसार, जब सूर्य धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करता है, तब मकर संक्रान्ति होती है। यह सामान्यतः 14 या 15 जनवरी को आती है। भारतीय ज्योतिष स्थिर नक्षत्रों को आधार मानता है। पृथ्वी की धुरी के धीमे झुकाव के कारण (अयन चलन), सूर्य का राशियों में प्रवेश क्रमशः आगे खिसकता रहता है। अयन चलन और दोनों तिथियों में अन्तर- पृथ्वी की धुरी में होने वाला अयन चलन लगभग 25,920 वर्षों में पूर्ण होता है। इसके कारण हर 72 वर्षों में लगभग 1 दिन का अन्तर पड़ता है। लगभग 1500–1700 वर्ष पूर्व मकर संक्रान्ति और शीतकालीन संक्रान्ति एक ही दिन पड़ते थे। वर्तमान में दोनों के बीच लगभग 23–24 दिनों का अन्तर है। इस परिवर्तन में लम्बा समय लगा है, परन्तु उत्तरायण का पर्व, मकर-संक्रान्ति के दिन ही मनाया जाता है। इससे सर्व साधारण की ज्योतिष-शास्त्र के प्रति अनभिज्ञता का कुछ

> जब सूर्य की गति उत्तर की ओर होती है तब उत्तरायण (उत्तर+अयन) कहलाता है और जब सूर्य की गति दक्षिण की ओर होती है तब दक्षिणायन (दक्षिण+अयन) कहलाता है। भारतीय संस्कृति में उत्तरायण केवल खगोलीय घटना नहीं, अपितु आध्यात्मिक उन्नति का प्रतीक है। इसीलिए उत्तरायण को देवयान मार्ग, उत्तम मार्ग, प्रकाश का मार्ग कहा गया है। ऋतु का आधार कहा गया है। देवताओं का दिन-रात भी सूर्य की गति से जोड़ा गया है। मकर संक्रान्ति महज पतंग उड़ाने या पकवान खाने का दिन नहीं है। यह पर्व हमें स्मरण कराता है कि परिवर्तन सृष्टि का नियम है और जब हम प्रकृति के साथ लयबद्ध होते हैं तो हमारा जीवन आनन्द और आरोग्य से भर जाता है।

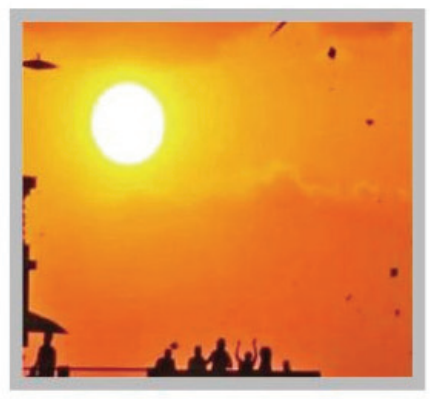

परिचय मिलता है। किन्तु शायद पर्व का महत्त्व बना रहे, यह मानकर मकर- संक्रान्ति के दिन ही पर्व मनाने की रीति चली आती हो। भारतीय संस्कृति में उत्तरायण केवल खगोलीय घटना नहीं, अपितु आध्यात्मिक उन्नति का प्रतीक है। इसीलिए उत्तरायण को देवयान मार्ग, उत्तम मार्ग, प्रकाश का मार्ग कहा गया है। ऋतु का आधार कहा गया है। देवताओं का दिन-रात भी सूर्य की गति से जोड़ा गया है। यजुर्वेद और तैत्तिरीय संहिता में सूर्य के उत्तरायण और दक्षिणायन को ऋतुओं के क्रम से जोड़ा गया है। छान्दोग्य और बृहदारण्यक उपनिषदों में उत्तरायण को- देवयान, ज्ञानमार्ग, प्रकाशमार्ग के रूप में वर्णित किया गया है। यहां सूर्य की गति को आत्मा की गति का रूपक बनाया गया है। गीता में भी उत्तरायण को देवयान मार्ग कहा गया है, जहां प्रकाश की दिशा में जाने वाले योगी मोक्ष को प्राप्त करते हैं। यह दर्शाता है कि उत्तरायण को- शुभ, उन्नत, और आध्यात्मिक रूप से अनुकूल समय माना जाता था। कृषि-चक्र में यह रबी फसलों की परिपक्वता का समय है। उत्तर भारत में यह संकरात, खिचड़ी, दक्षिण में पोंगल, गुजरात में उत्तरायण, पंजाब में लोहड़ी के रूप में मनाया जाता है। यह पर्व सूर्य-ऊर्जा के पुनरुत्थान का प्रतीक है। यह समय आत्म-साक्षात्कार, ध्यान और संकल्प सिद्धि के लिए सर्वोत्तम माना गया है। मकर संक्रान्ति के पर्व पर दान, स्नान और जप करने का बहुत महत्व है-"मकर संक्रांतौ दानस्नानजपैः सहस्रगुणं फलम्"। इस दिन खिचड़ी, तिल, कम्बल और अन्न का दान किया जाता है। दान का अर्थ केवल वस्तु देना नहीं, बल्कि अपने भीतर के अहंकार का त्याग करना है। मकर संक्रान्ति के पर्व पर तिल और गुड़ का सेवन करने का भी महत्त्व है। सर्दियों के मौसम में तिल और गुड़ का मेल न केवल स्वादिष्ट होता है, अपितु यह आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान दोनों की दृष्टि से एक सर्वोत्तम भोजन है। इनके सेवन से होने वाले प्रमुख लाभ और उनके पीछे के वैज्ञानिक कारण भी बताए गए हैं। हड्डियों की मजबूती, तिल कैल्शियम का खजाना है और गुड़ इसमें मैग्नीशियम प्रदान करता है। तिल में दूध से भी ज्यादा कैल्शियम होता है। हड्डियों के घनत्व को बनाए रखने के लिए कैल्शियम और फास्फोरस की आवश्यकता होती है, जो इन दोनों के मिश्रण में प्रचुर मात्रा में मिलते हैं। यह ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याओं से बचाने में मदद करता है। गुड़ आयरन का प्राकृतिक स्रोत है, जबकि तिल में कॉपर और आयरन दोनों होते हैं। गुड़ शरीर में हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाता है।

तिल में मौजूद कॉपर आयरन के अवशोषण में मदद करता है, जिससे शरीर में नया खून बनता है और थकान या कमजोरी दूर होती है। इन दोनों की प्रकृति गर्म होती है, जो शरीर को आन्तरिक गर्माहट देती है। तिल में मौजूद जिंक और सेलेनियम जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स इम्यून सिस्टम को मजबूत करते हैं। गुड़ शरीर के श्वसन तन्त्र को साफ करने में मदद करता है, जिससे सर्दी-खांसी और संक्रमण का खतरा कम हो जाता है। गुड़ पाचन एंजाइमों को सक्रिय करता है, जिससे कब्ज की समस्या दूर होती है। तिल में मौजूद फाइबर आंतों की सफाई करने में सहायक होते हैं। तिल में 'सेसमिन' और 'सेसमोलिन' नामक तत्व पाए जाते हैं।

ये तत्व शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने और ब्लड प्रेशर को नियन्त्रित करने में मदद करते हैं। मकर संक्रान्ति महज पतंग उड़ाने या पकवान खाने का दिन नहीं है। यह सूर्य की भान्ति तेजस्वी बनने और गुड़ के समान मधुर वाणी बोलने का संकल्प है। यह पर्व हमें स्मरण कराता है कि परिवर्तन सृष्टि का नियम है और जब हम प्रकृति के साथ लयबद्ध होते हैं तो हमारा जीवन आनन्द और आरोग्य से भर जाता है।

दीपस्तंभ

मुरारी गुप्ता

भारतीय दर्शन से ही विश्व कल्याण संभव

विश्व के हर कोने में आज अशांति का वातावरण बना हुआ है। कई देश आपस में युद्ध में उलझे हुए हैं। कथित शक्तिशाली देश दूसरे कमजोर मुल्कों पर उनके संसाधनों के लालच में बलात कब्जा करने की मंशा पाले हुए हैं। अमेरिका और वेनेजुएला का प्रकरण पूरे विश्व के सामने है। दुर्भाग्य से पूरा विश्व, संयुक्त राष्ट्र संघ और तमाम बड़े अंतरराष्ट्रीय संगठन इस पर चुप हैं। ईरान में वहां की जनता 1979 की तथाकथित इस्लामिक क्रांति के विरुद्ध बिगुल बजाए हुए है और अपनी मूल पहचान पर गर्व कर रही है। सोशल मीडिया पर ईरानी महिलाएं अपनी पहचान को खुल कर स्वीकार कर रही हैं। उधर, बांग्लादेश में वहां का अल्पसंख्यक हिंदू समूह राजनीतिक संरक्षण प्राप्त चरमपंथियों का शिकार बन रहा है। तथाकथित अमन और शांति के पैरोकार इस वक्त खामोश हैं। पश्चिम की कथित लिबरल नीतियों ने संयुक्त अरब अमीरात के शासकों को भी भयभीत कर रखा है। वे अपने छात्रों को ब्रिटेन और यूरोप के विश्वविद्यालयों में अध्ययन के लिए भेजने से डरने लगे हैं कि कहीं उनके छात्र यूरोप के विश्वविद्यालयों में लिबरल नीतियों के कारण संरक्षण पा रही जेहादी मानसिकता के शिकार नहीं हो जाएं। आज की वैश्विक परिस्थितियां यह प्रश्न खड़ा करती हैं कि क्या केवल राजनीतिक क्रांतियां, सत्ता परिवर्तन या वैचारिक कट्टरता मानव समाज को स्थायी शांति और समानता की ओर ले जा सकती हैं। ईरान में इस्लामी शासन के विरुद्ध उठती आवाजें, महिलाओं के समान अधिकारों की मांग, धार्मिक कट्टरता के विरुद्ध असंतोष और सामाजिक स्वतंत्रता की आकांक्षा इस बात का प्रमाण हैं कि जब कोई विचारधारा मानव स्वभाव, विविधता और गरिमा के विपरीत जाती है, तो अंततः उसके विरुद्ध प्रतिक्रिया जन्म लेती है। ईरान की वर्तमान स्थिति केवल राजनीतिक असंतोष का परिणाम नहीं है, बल्कि यह एक गहरी सामाजिक और सांस्कृतिक बेचैनी को भी दर्शाती है। कट्टर धार्मिक व्याख्याओं के कारण व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर अंकुश, महिलाओं के अधिकारों पर प्रतिबंध, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दमन और आधुनिक जीवन मूल्यों के साथ टकराव, इन सबने समाज में असंतोष को जन्म दिया है। महिलाएं केवल वस्त्रों या बाहरी आचरण के प्रश्न पर नहीं, बल्कि अपने अस्तित्व, सम्मान और समान अधिकारों के लिए संघर्ष कर रही हैं। यह संघर्ष इस बात को रेखांकित करता है कि कोई भी व्यवस्था, जो समानता और मानवीय गरिमा को नकारती है, लंबे समय तक स्थिर नहीं रह सकती। भारत का सनातन दर्शन मूलतः "अहं ब्रह्मास्मि" और "तत्वमसि" जैसे सूत्रों के माध्यम से प्रत्येक जीव में एक ही चेतना को देखता है। यहां स्त्री और पुरुष के बीच मौलिक स्तर पर कोई भेद नहीं, बल्कि दोनों को सृजन के पूरक रूप में स्वीकार किया गया है। वैदिक काल से लेकर उपनिषदों तक गार्गी, मैत्रेयी, लोपामुद्रा जैसी विदुषी स्त्रियां इस बात का प्रमाण हैं कि ज्ञान, संवाद और आध्यात्मिक विमर्श में स्त्रियों की भूमिका केंद्रीय रही है। इसके विपरीत जब किसी धर्म या विचारधारा की संकीर्ण व्याख्या स्त्री को द्वितीय श्रेणी में धकेल देती है, तो वह समाज को भीतर से कमजोर करती है। ईरान में चल रहा संघर्ष इसी असंतुलन का परिणाम है। कट्टरता मानव का मूल स्वभाव नहीं है। मानव का मूल स्वभाव सबका साथ और सबका विश्वास और सबका कल्याण है। आज पूरा यूरोप आतंकवाद से पीड़ित है। धार्मिक उग्रवाद और वैचारिक कट्टरता ने वहाँ की सामाजिक संरचना, सुरक्षा और सांस्कृतिक संतुलन को चुनौती दी है। दूसरी ओर अमेरिका की विदेश नीति पर अक्सर यह आरोप लगता रहा है कि वह दूसरे देशों पर प्रभुत्व या नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास करता है, जिससे वैश्विक असंतुलन और संघर्ष बढ़ते हैं। इसके विपरीत भारत का इतिहास देखें तो भारत ने कभी भी विस्तारवादी आक्रमण की नीति नहीं अपनाई। योग, आयुर्वेद, बौद्ध दर्शन, उपनिषद, भगवद्गीता और संत परंपरा के माध्यम से भारत का दर्शन पूरे विश्व में फैला है। आज जब विश्व वैचारिक ध्रुवीकरण और संघर्ष के दौर से गुजर रहा है, तब भारत का सनातन दर्शन एक दीपस्तंभ की तरह मार्गदर्शन करता है। ईरान की सामाजिक उथल-पुथल, यूरोप की आतंकवाद से पीड़ा और अमेरिका की प्रभुत्ववादी नीतियों के बीच भारत यह स्मरण कराता है कि शांति का मार्ग हिंसा, कट्टरता या वर्चस्व में नहीं, बल्कि समानता, सहिष्णुता और विश्व बंधुत्व में है। "वसुधैव कुटुम्बकम्" केवल भारत की विरासत नहीं, बल्कि विश्व का भविष्य है। यदि मानवता को वास्तव में शांति और कल्याण की ओर बढ़ना है, तो उसे भारत के इसी सनातन दर्शन की ओर लौटना होगा, जहां सबका अस्तित्व सुरक्षित हो और सबका कल्याण सुनिश्चित हो।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

छोटे-छोटे संकल्प आत्मविश्वास बढ़ाते हैं

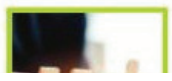

जिस प्रकार किसी भी पूजा को प्रारंभ करने से पूर्व हाथ में जल लेकर संकल्प लिया जाता है उसी प्रकार किसी भी कार्य को करने के लिए उसे करने का संकल्प लिया जाता है। बगैर संकल्प हम आगे नहीं बढ़ सकते हैं। संकल्प लेने के लिए इच्छाशक्ति की जरूरत होती है। संकल्प के पश्चात प्रयास प्रारंभ होते हैं। जब संकल्प दृढ़ होता है तो प्रयास को हिम्मत मिलती है, विजय की राह आसान हो जाती है। हमारी सफलता हमारे संकल्प पर निर्भर करती है। हम जितना भरोसा अपने संकल्प पर करेंगे उसी अनुपात में हमें सफलता प्राप्त होगी। यदि हमारा संकल्प विजय का है तो हमारी सफलता भी निश्चित है। संकल्प सकारात्मक ऊर्जा के रूप में सह प्रेरक का काम करता है। जीवन में छोटे-छोटे संकल्प लेते रहना चाहिए। जब हम छोटे-छोटे संकल्पों को पूर्ण करते हैं तो आत्मविश्वास और हमारी क्षमता में वृद्धि होती है। दृढ़ संकल्प में असीम शक्ति होती है, जो व्यक्ति को किसी भी प्रकार की बाधाओं से जूझने में सक्षम बनाती है। हालांकि, संकल्प लेकर उन्हें भूलना भी आम बात है। अक्सर हम देखते हैं कि नशे के आदी लोग रोज संकल्प लेते हैं कि वे अब आगे से नशा नहीं करेंगे, किंतु वे ऐसा नहीं कर पाते हैं, क्योंकि उनके संकल्प में दृढ़ता की कमी होती है। दृढ़ संकल्प शक्ति जीवन में सफलता प्राप्त करने का मूल मंत्र है। जो संकल्प के साथ जीता है वह साधक होता है। कहते हैं कि एक सफल और असफल व्यक्ति के बीच में न तो योग्यता का अंतर होता है और न ही ज्ञान का, बल्कि अंतर है तो केवल दृढ़ संकल्प का और यही निर्णायक सिद्ध होता है।

संकलित

दर्शन

भगवान या भाग्य को दोष नहीं देना चाहिए

एक बूढ़ी महिला गौतम बुद्ध के पास पहुंची। उस महिला की बुद्ध के लिए गहरी आस्था थी। दरअसल, उस महिला के बेटे की मृत्यु हो गई थी। महिला बहुत दुखी थी और उसने बुद्ध से कहा कि आप मेरे बच्चे को जीवित कर दीजिए। महिला को लग रहा था कि बुद्ध उसके बेटे का जीवन बचा सकते हैं। बुद्ध ने महिला की बात सुनी और कुछ देर सोचने के बाद उन्होंने कहा कि ठीक है, मैं ऐसा कर दूंगा, लेकिन तुम्हें किसी ऐसे घर से मुट्ठी भर सरसों के दाने लेकर आना है, जहां कभी किसी की मौत न हुई हो। जिस परिवार ने किसी की मृत्यु का दुख नहीं देखा है, वहां से सरसों ले आओ। महिला ने सोचा कि ये तो छोटा सा काम है। बूढ़ी महिला गांव की ओर चल दी और एक-एक घर में जाकर पूछने लगी। महिला जिस घर में जाती, वहां कहती कि अगर आपके घर में कभी किसी की मृत्यु न हुई हो तो एक मुट्ठी सरसों के दाने दे दीजिए। गांव के सभी लोगों का यही जवाब रहता था कि हमारे घर में मृत्यु तो हुई है। कुछ लोगों की बढ़ी उम्र में हुई है तो किसी की असमय हुई। जब सभी घरों से ऐसे ही उत्तर मिल रहे थे तो महिला समझ गई कि बुद्ध ने मुझे जरूर कुछ सोचकर ही भेजा है। जब वह लौटकर बुद्ध के पास पहुंची, तब तक वह जान चुकी थी कि एक दिन मौत सबको आनी है। उसका शोक लंबे समय तक नहीं मनाना चाहिए।

संकलित

प्रेरणा

सटाका

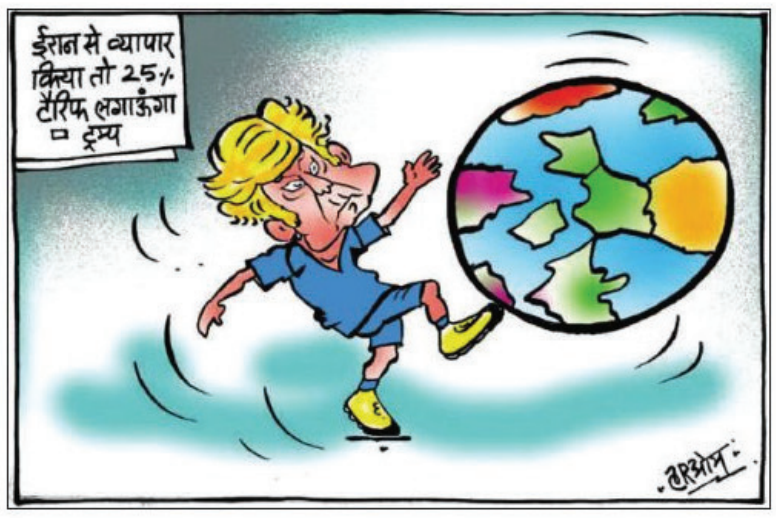

आज की पाती

बेटियों की लोहड़ी भी जरूर मनाएं

भारत का प्रसिद्ध त्योहार लोहड़ी हमें बुराई और अनैतिक कामों की राह पर न जाने का संदेश देता है। लोहड़ी से जुड़ी एक कहानी यह भी है कि मुगल शासक अकबर के शासनकाल में पंजाब में दुल्ला भट्टी नाम का एक युवक था। इन्होंने लड़कियों की सुरक्षा के लिए काम किया था। पाकिस्तान में स्थित संदलबार क्षेत्र में लड़कियों की खरीद-फरोख्त उस वक्त होती थी। दुल्ला भट्टी ने इस घटिया कारोबार का भांडा फोड़ा था और लड़कियों की रक्षा की थी। दुल्ला भट्टी के इस महान काम के कारण इसे नायक की उपाधि भी दी गई। इसलिए लोहड़ी के दिन दुल्ला भट्टी को याद किया जाता है। बहरहाल, आज जरूरत इस बात की है कि संकीर्ण सोच छोड़कर बालिकाओं का सम्मान किया जाए। - सुरेश ठाकुर, बिलासपुर

ट्रेंड

इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात बढ़ा

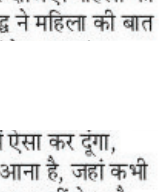

2025 में इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया, जिससे रोजगार सृजित हुए और विदेशी मुद्रा का प्रवाह बढ़ा। 2026 में भी यह गति जारी रहेगी क्योंकि चार सेमीकंडक्टर संयंत्र व्यावसायिक उत्पादन शुरू कर देंगे।

- अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय सूचना मंत्री

सीएसपीओसी की मेजबानी

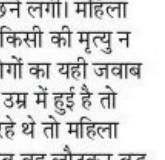

समृद्ध संसदीय लोकतंत्र का गौरवशाली प्रतीक भारत, 14 से 16 जनवरी 2026 तक राष्ट्रमंडल के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन (सीएसपीओसी) की मेजबानी करने जा रहा है।

- ओम बिरला, लोकसभा अध्यक्ष

ड्रेनेज व्यवस्था विकसित

दिल्ली में जलभराव की दशकों पुरानी समस्या को लेकर दिल्ली सरकार का काम सिर्फ बरसात के दिनों तक सीमित नहीं है। सालभर, लगातार और सिस्टम के साथ एक मजबूत ड्रेनेज व्यवस्था विकसित की जा रही है। इसी दिशा में 4 बड़े ट्रंक ड्रेनों का निर्माण युद्धस्तर पर चल रहा है।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

बजट पूर्व चर्चा

नारी शक्ति ही प्रदेश की प्रगति का आधार है। हमारी सरकार इसी विजन को विकास की धुरी बना रही है। इसी विजन को लेकर आज मुख्यमंत्री कार्यालय में आगामी बजट के संदर्भ में विभिन्न क्षेत्रों से आई महिला प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व चर्चा की।

- भजनलाल, सीएम, राजस्थान

करंट अफेयर

सिंगापुर में दुर्लभ हिमालयी गिद्ध को बचाया गया

सिंगापुर में एक राजमार्ग से 'जल्द ही संकटग्रस्त होने वाली' श्रेणी में शामिल एक दुर्लभ हिमालयी गिद्ध को बचाया गया है और उसे छोड़ने से पहले स्वस्थ अवस्था में लाया जा रहा है। यहां एक पशु कल्याण समूह ने यह जानकारी दी। एनिमल कंसर्न्स रिसर्च एंड एजुकेशन सोसाइटी (एसीआरईसी) ने 11 जनवरी को परेशान हालत में दिखे प्रवासी पक्षी को बचाया था। समूह के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कलई वनन बालकृष्णन ने यह जानकारी दी। फिलहाल एसीआरईसी की पशु चिकित्सा टीम गिद्ध की देखभाल कर रही है। टीम ने गिद्ध के पूरी तरह स्वस्थ होने और फिर उसे जंगल में छोड़े जाने की उम्मीद जताई है। 'द स्ट्रेट्स टाइम्स' ने सोमवार को एक खबर में बालकृष्णन के हवाले से कहा, 'शरीर में पानी की कमी, कमजोरी और लंबी यात्रा के कारण थकान जैसी शुरुआती स्वास्थ्य समस्याएं गिद्ध में दिख रही हैं।' उन्होंने कहा कि 11 जनवरी की दोपहर को एक व्यक्ति ने एसीआरईसी को गिद्ध के बारे में जानकारी दी थी, जिसके बाद तीन सदस्यीय बचाव टीम ने राजमार्ग पर घूम रहे गिद्ध को सुरक्षित पकड़ लिया। इससे पहले वह एक नहर में अटका हुआ था। हिमालय के ऊंचाई वाले इलाकों में आम तौर पर पाए जाने वाले हिमालयी गिद्ध सिंगापुर में बहुत कम देखे जाते हैं।

ऑफ बीट

बुढ़ापे में दिमाग दुरुस्त रखने में जैविक घड़ी की अहम भूमिका

मानव शरीर में मौजूद 24 घंटे की जैविक घड़ी चुपचाप यह समन्वय करती है कि हम कब सोते हैं, जागते हैं, खाते हैं और आराम करते हैं। यह आंतरिक समय प्रबंधन प्रणाली अंगों और हार्मोन को तालमेल बैठाकर काम करने में मदद करती है। हालांकि, जब जैविक घड़ी अव्यवस्थित हो जाती है, तो इसके प्रभाव खराब गुणवत्ता वाली नींद से कहीं अधिक व्यापक हो सकते हैं और ढलती उम्र में दिमागी सेहत में गिरावट का कारण भी बन सकते हैं। बुजुर्गों पर किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि जिन लोगों की जैविक घड़ी अधिक व्यवस्थित होती है, उनके डिमेंशिया की चपेट में आने का जोखिम लगभग 50 फीसदी तक घट जाता है। जैविक घड़ी सोने का समय, हार्मोन का उत्पादन, हृदयगति और शरीर का तापमान सहित कई अन्य दैनिक शारीरिक प्रक्रियाओं को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाती है। व्यवस्थित जैविक घड़ी को अक्सर नींद की खराब गुणवत्ता से जोड़ा जाता है। विभिन्न अध्ययनों में खराब गुणवत्ता वाली नींद का डिमेंशिया और दिल की बीमारियों के बढ़ते जोखिम से सीधा संबंध पाया गया है। साल 2025 में किए गए अध्ययन में प्रतिभागियों की दिल की सेहत और रक्तचाप का भी विश्लेषण किया गया, जो अन्य कारकों के साथ-साथ नींद की गुणवत्ता पर निर्भर करते हैं।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, पत्थलगांव जिला जशपुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202601031100008

विषयः-अ-2

मामले की श्रेणीः राजस्व

सनः-2025-2026

पालीडीह (प ह न. 00009),

पक्षकारों का विवरण आवेदक पक्षकार श्रीमती मंजू अग्रवाल पति खजांची अग्रवाल,

अनावेदक पक्षकार छ.ग. शासन,

ईश्तहार

एतद द्वारा समस्त आम जनता ग्राम पालीडीह प.ह.न. 09 तहसील पत्थलगांव जिला जशपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती मंजू अग्रवाल पति खजांची अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी ग्राम पालीडीह तहसील पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ.ग.) के द्वारा ग्राम पालीडीह प.ह.न. 09 रा.नि.मं. पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ.ग.) स्थित भूमि ख.नं. 325/2 रकबा 0.075 हे 0 एवं ख.न. 325/8 रकबा 0.026 हे. कुल ख.न. 02 कुल रकबा 0.101 हे. (1010 वर्गमीटर) भूमि को व्यवसायिक प्रयोजनार्थ के लिये व्यपवर्तन कराये जाने हेतु बी।नक्शा खसरा एवं रजिस्ट्री की छाया प्रति सहित छ.ग.भू. राजस्व संहिता 1959 की धारा 172 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त मामले की सुनवाई दिनांक 28/01/2026 को स्थान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पत्थलगांव के न्यायालय में न्यायालयीन समय प्रातः 10.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक होना नियत किया गया है, अतः इसमें जिस किसी भी व्यक्ति को दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत दिनांक/समय स्थान को मेरे समक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त किसी भी दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा प्रतिवेदन एवं प्रयोजनार्थ ले-आउट नगर निवेश जशपुर से अनुमोदनार्थ सहित समयावधि में दिनांक 28/01/2026 तक जमा करें, अन्यथा शासनादेषानुसार निराकरण किया जावेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 08/01/2026 को जारी किया जाता है।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व
पत्थलगांव जिला जशपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, पत्थलगांव जिला जशपुर के न्यायालय में मामला विषयः-अ-2 मामले की श्रेणीः राजस्व सनः-2025-2026 ईश्तहार

पत्थलगांव प.ह.न. 00006 [204/1(0.0350हे0)]

पक्षकारों का विवरण आवेदक पक्षकार श्रीमती विमला देवी पति जगमंदर

अनावेदक पक्षकार छ.ग. शासन,

एतद द्वारा समस्त आम जनता ग्राम पत्थलगांव प.ह.न. 06, तहसील पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती विमला देवी पति जगमंदर जाति अग्रवाल निवासी ग्राम पत्थलगांव तहसील पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ.ग.) के द्वारा ग्राम पत्थलगांव प.ह.न. 06 रा.नि.मं. पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ.ग.) स्थित भूमि ख.नं. 204/1 रकबा 0.035 हे .(350 वर्गमीटर) भूमि को आवासीय प्रयोजनार्थ (मकान निर्माण) के लिये व्यपवर्तन कराये जाने हेतु बी-। नक्शा खसरा एवं रजिस्ट्री की छाया प्रति सहित छ.ग.भू. राजस्व संहिता 1959 की धारा 172 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।उक्त मामले की सुनवाई दिनांक 28/01/2026 को स्थान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पत्थलगांव के न्यायालय में न्यायालयीन समय प्रातः 10.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक होना नियत किया गया है, अतः इसमें जिस किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत दिनांक/समय स्थान को मेरे समक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त किसी भी दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा प्रतिवेदन एवं प्रयोजनार्थ ले-आउट नगर निवेश जशपुर से अनुमोदनार्थ सहित समयावधि में दिनांक 28/01/2026 तक जमा करें, अन्यथा शासनादेषानुसार निराकरण किया जावेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 05/01/2026 को जारी किया जाता है।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व
पत्थलगांव जिला जशपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, पत्थलगांव जिला जशपुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202601031100007 विषयः-अ-2 मामले की श्रेणीः- राजस्व सनः-2025-2026 पालीडीह(प ह न. 00009), पक्षकारों का विवरण आवेदक पक्षकार श्रीमती मंजू अग्रवाल पति खजांची अग्रवाल. अनावेदक पक्षकार छ.ग. शासन ईश्तहार

एतद द्वारा समस्त आम जनता ग्राम पालीडीह प.ह.न. 09 तहसील पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती मंजू अग्रवाल पति खजांची अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी ग्राम पालीडीह तहसील पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ.ग.) के द्वारा ग्राम पालीडीह प.ह.न. 09 रा.नि.मं. पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ.ग.) स्थित भूमि ख.नं. 332/14 रकबा 0.032 हे .एवं ख.न. 332/16 रकबा 0.053 हे. कुल ख.न. 02 कुल रकबा 0.085 हे. (850 वर्गमीटर) भूमि को व्यवसायिक प्रयोजनार्थ के लिये व्यपवर्तन कराये जाने हेतु बी । नक्शा खसरा एवं रजिस्ट्री की छाया प्रति सहित छ.ग.भू. राजस्व संहिता 1959 की धारा 172 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त मामले की सुनवाई दिनांक 28/01/2026 को स्थान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पत्थलगांव के न्यायालय में न्यायालयीन समय प्रातः 10.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक होना नियत किया गया है, अतः इसमें जिस किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत दिनांक/समय स्थान को मेरे समक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त किसी भी दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा प्रतिवेदन एवं प्रयोजनार्थ ले-आउट नगर निवेश जशपुर से अनुमोदनार्थ सहित समयावधि में दिनांक 28/01/2026 तक जमा करें, अन्यथा शासनादेषानुसार निराकरण किया जावेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 08/01/2026 को जारी किया जाता है।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व
पत्थलगांव जिला जशपुर

पश्चिम बंगाल में ईडी की छापेमारी से जुड़े विवाद पर सुनवाई

कलकत्ता हाईकोर्ट से लगा ममता सरकार को झटका, अदालत ने उनकी याचिका खारिज की

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में ईडी की छापेमारी से जुड़े विवाद पर कलकत्ता हाईकोर्ट में सुनवाई की गई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी टीएमसी ने अलग-अलग याचिकाएं दायर की हैं। ऐसे में बुधवार को सुनवाई के दौरान कलकत्ता हाई कोर्ट ने टीएमसी की याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत ने ईडी के इस बयान को रिकॉर्ड किया कि उसने 8 जनवरी को फर्म के डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर और ऑफिस से कुछ भी जब्त नहीं किया था। ईडी की ओर से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू कहा कि एजेंसी ने जो कुछ भी अपने कब्जे में लिया था, उसे सीएम ममता ले गईं। इससे पहले ईडी ने हाई कोर्ट को बताया कि पिछले हफ्ते राजनीतिक परामर्श फर्म के डायरेक्टर जैन के घर और ऑफिस पर हुई तलाशी के सिलसिले में दायर याचिकाओं को टाल दिया जाए। वहीं टीएमसी के वकील मेनका गुरुस्वामी ने कहा कि पार्टी सिर्फ अपने डेटा की सुरक्षा चाहती है।

टीएमसी को डेटा सुरक्षा चाहिए

ईडी ने कहा- कुछ भी जब्त नहीं किया

एजेंसी ने जो कुछ कब्जे में लिया था, उसे सीएम ममता ले गईं

कलकत्ता उच्च न्यायालय

ईडी का दावाः अदालतों ने इसे संज्ञेय अपराध माना था

9 जनवरी को ईडी ने दावा किया है कि इस घटना में राज्य के सर्वोच्च राजनीतिक नेतृत्व की सीधी भागीदारी थी और पुलिस बल का दुरुपयोग किया गया। एजेंसी ने आग्रह किया है कि वह सीबीआई को एफआईआर दर्ज करने और मुख्यमंत्री सहित सभी संलिप्त व्यक्तियों की भूमिका की जांच करने का निर्देश दे। सीबीआई की जांच जरूरी है, क्योंकि कलकत्ता हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट दोनों ने लगातार यह माना है कि जहां राज्य में ऊंचे और शक्तिशाली लोग संज्ञेय अपराधों को करने में शामिल होते हैं, वहां जांच सीबीआई को ट्रांसफर कर दी जानी चाहिए। ईडी ने जबरदस्ती ले गए सभी डिजिटल उपकरणों, इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड, स्टोरेज मीडिया और दस्तावेजों को तत्काल जब्त करने, सील करने, की मांग की थी।

टीएमसी ने भी दायर की थी याचिका

इस मामले को लेकर टीएमसी ने आई पैक पर ईडी की छापेमारी के खिलाफ कलकत्ता हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। टीएमसी बंगाल में एसआईआर के खिलाफ आवाज उठा रही है और विरोध कर रही है।

हाई कोर्ट से बोले एसएसजी राजू

यहां आसमां नहीं फटने वाला फिलहाल रोक दीजिए सुनवाई

सुनवाई के दौरान ईडी ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता ने आई-पैक के डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर पर हो रही छापेमारी के दरमियान नाटकीय तौर पर एंट्री की थी और सरकारी काम में बाधा डाला। ईडी ने आरोप लगाया है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी रेड वाली जगहों पर गईं और अहम सबूत ले गईं। दूसरी तरफ, ममता की तरफ से दावा किया गया कि ईडी के छापे अवैध थे और जांच एजेंसी ने सारी सीमएं लांघ दी थी। इस दौरान टीएमसी ने ईडी द्वारा जब्त किये गये चुनाव संबंधी उसके डाटा की सुरक्षा के लिए अदालत से गुहार लगाई।

सुनवाई स्थगित करने का अनुरोध

ईडी ने उच्चतम न्यायालय में दायर याचिका का हवाला देते हुए मामले की सुनवाई स्थगित करने का अनुरोध किया। ईडी की तरफ से पेश हुए राजू ने कोर्ट को बताया कि एजेंसी ने सुप्रीम कोर्ट में दो याचिकाएं दायर की हैं। इसलिए हाई कोर्ट इस मामले की सुनवाई न करे। उन्होंने दलील दी, यह मामला सुप्रीम कोर्ट में आ सकता है। लिहाजा, इस मामले की सुनवाई को टाल दिया जाए। आज सुनवाई नहीं होने से कोई आसमान फटकर नहीं गिरने वाला है।

आई-पैक की गैरमौजूदगी पर भी उठे सवाल

एएसजी राजू ने आई-पैक की गैरमौजूदगी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्म को कोर्ट में पेश होना चाहिए था। उन्होंने कहा कि पूरी याचिका चुनाव से जुड़े तर्कों पर आधारित है, न कि किसी अधिकार के उल्लंघन पर। किसी के घर से किसी का डेटा जब्त किया गया है, उन्हें तो कोर्ट आना चाहिए था। आई पैक को यहां आना चाहिए था।

रिहंदेश्वर धाम में श्रद्धा व सद्भाव के साथ मना मकर संक्रांति का त्योहार

बीजपुर (सोनभद्र) एनटीपीसी बीजपुर परिसर स्थित अपनी भव्यता, सुंदरता एवं आध्यात्मिक महत्व के लिए क्षेत्र में प्रसिद्ध रिहंदेश्वर धाम महादेव मंदिर में देवताओं का दिन माने जाने वाले मकर संक्रांति पर्व को भव्य एवं श्रद्धापूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर बुधवार को मंदिर समिति द्वारा विशेष भोग प्रसाद–चूड़ा-दही, गुड़, तिलवा, तिलकुट के साथ महाप्रसाद की भी व्यवस्था की गई, जिसे सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से ग्रहण किया। कार्यक्रम में परियोजना प्रमुख एवं कार्यकारी निदेशक अनिल श्रीवास्तव, वर्तिका महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती शिखा श्रीवास्तव, मुख्य महाप्रबंधक संजय असाटी, मानव संसाधन प्रमुख राजेश बोई पोई, मंदिर समिति के अध्यक्ष संजीव खेड़ा, उपाध्यक्ष योगेश त्रिपाठी, निशांत कमल, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) प्रदीप कुमार, रंगा रेड्डी, पवन कुमार मिश्र, राजेन्द्र शाह, मंदिर समिति के महासचिव प्रमोद द्विवेदी, अमित मालवीय, बीएमएस अध्यक्ष राकेश राय, महामंत्री एस.एन. पाठक, मंदिर समिति के कोषाध्यक्ष संजय कुमार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला सद्भावना प्रमुख अनिल त्रिपाठी, हरिओम मिश्रा, उदय उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

शपथ पत्र

मैं रजनी दास पति सुनील दास, उम्र लगभग 38 वर्ष, जाति पनिका, निवासी वार्ड क्रमांक-12 हाई स्कूलपारा, , थाना व तहसील सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.) की निम्नांकित कथन शपथ पूर्वक करती हूँ- शपथ पूर्वक कथन करती हूँ कि मेरे पुत्र का सही एवं वास्तविक नाम "मयंक दास MAYANK DAS" सही जन्मतिथि 10/07/2012 (दस जुलाई दो हजार बारह) है जो कि उसके जन्म प्रमाण पत्र एवं शैक्षणिक दस्तावेजों में अंकित है जो कि सत्य एवं सही है, मेरे पुत्र की वर्तमान उम्र 13 वर्ष है।

02. मैं शपथ पूर्वक कथन करती हूँ कि मेरे पुत्र के आधार कार्ड क्रमांक 5803 7708 0342 में मेरे पुत्र का नाम मृगेन्द्र दास MRIGENDRA DAS एवं जनमतिथि 11/07/2012 (ग्यारह जुलाई दो हजार बारह) अंकित है जो कि त्रुटिपूर्ण है।

03 में शपथ पूर्वक कथन करती हूँ कि मेरे पुत्र का सही एवं वास्तविक नाम "मयंक दास MAYANK DAS" तथा दण्डाधिकारी सही जन्मतिथि 10/07/2012 (दस जुलाई दो हजार बारह) है इस कारण मेरे पुत्र के उपरोक्त आधार (छ.ग कार्ड में अंकित त्रुटिपूर्ण नाम एवं जन्मतिथि को सुधारकर उसके स्थान पर मेरे पुत्र का सही एवं वास्तविक नाम तथा जन्मतिथि उपरोक्तानुसार अंकित किया जाना न्यायहित में आवश्यक है मैं शपथ पर्वक कथन करती है कि मेरे पुत्र "मयंक दास MAYANK DAS" के सही एव वास्तविक नाम तथा जन्मतिथि 10/07/2012 (दस जुलाई दो हजार बारह) को शासकीय गजट में प्रकाशित करवाने व उस आधार पर आधार कार्ड में सुधार करवाने के समर्थन में यह शपथपत्र आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

महिला सुरक्षा को लेकर सोनभद्र पुलिस का व्यापक जनजागरूकता अभियान

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान तथा आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मिशन शक्ति अभियान 5.0 के अंतर्गत जनपद सोनभद्र में सोनभद्र पुलिस द्वारा व्यापक स्तर पर जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

उत्तर भारत की लड़कियों पर बोले मारन

रसोई में काम व बच्चे पैदा करो तो भाजपा ने माफी की मांग की

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

डीएमके सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री दयानिधि मारन के उत्तर भारत की लड़कियों पर बयान से सियासी विवाद बढ़ गया है। चेन्नई के कायद ए मिल्लत सरकारी वुमेंस कॉलेज के समारोह में मारन ने कहा कि कई उत्तर भारतीय राज्यों में लड़कियों को अक्सर घर पर रहने और घरेलू कामों पर ध्यान देने को कहा जाता है, लेकिन तमिलनाडु में लड़कियों को एजुकेशन और करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। मारन ने महिला शिक्षा के क्षेत्र में तमिलनाडु की तरक्की का श्रेय द्रविड़ आंदोलन और डीएमके सरकार की नीतियों को दिया। मारन ने कहा कि हमारी सरकार लैपटॉप का इस्तेमाल कर लाभार्थी पढ़ाई और साक्षात्कार के लिए दिए हैं। उत्तर भारत के राज्यों में महिलाओं को नौकरी न करने के लिए कहा जाता है और उन्हें घर में रहकर रसोई में काम करने और बच्चे पैदा करने के लिए कहा जाता है। भाजपा ने माफी की मांग की है।

प्रयागराज से गंगासागर तक उल्लास

देशभर में मकर संक्रांति-पोंगल की धूम

प्रयागराज। मकर संक्रांति और पोंगल पर पूरे देश में उल्लास रहा। संगम नगरी प्रयागराज से लेकर हरिद्वार की हरकी पौड़ी तक में गंगा स्नान और आस्था की डुबकी लगाकर लोगों ने पावन पर्व की शुरुआत की। यहां लाखों लोगों ने डुबकी लगाई। पतंगों से सजे आसमान ने पूरे देश में इस पर्व की रौनक बढ़ा दिया।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202512020700116 विषयः-ब-121 मामले की श्रेणीः- राजस्व सनः-2025-2026 फुन्दुरडिहारी प.ह.न. 00016 [हे0)] पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार तेज कुमार, अनावेदक पक्षकार - नेली केरकेट्टा. ईश्तहार

आवेदक तेज कुमार आ० बेंजामिन केरकेट्टा, निवासी ग्राम फुन्दुरडिहारी, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक के स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित खसरा नंबर 159/9 रकबा 0.081 हे० भूमि को आवेदक के द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र के माध्यम से क्रय किया गया है, जिसका नामांतरण आवेदक के नाम पर हो चुका है. किन्तु वर्तमान राजस्व अभिलेखों में आवेदक के नाम के साथ त्रुटिवश अनावेदिका का नाम भी दर्ज हो गया है। आवेदक के द्वारा आवेदित भूमि से अनावेदिका का नाम विलोपित किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है. जो जाँच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 16/01/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 23/12/2025 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ०ग०) रा०मा०क्र० /ब-121/2025-26 ग्राम-पत्थलगांव, तहसील पत्थलगांव ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम पंचायत पत्थलगांव को सूचित किया जाता है, कि आवेदक अशोक कुमार यादव, पिता मोहन राम जति रावत निवासी नगर पंचायत पत्थलगांव तहसील पत्थलगांव जिला जशपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर अपने पुत्र उसत कुमार यादव की दिनांक 28/02/2012 को नगर पंचायत पत्थलगांव में जन्म हुआ है। जिसका नाम नगर पंचायत पत्थलगांव के जन्म पंजी में दर्ज किये जाने का निवेदन किया गया है। आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, चालान की प्रति, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र, पंचनामा एवं अंकसूची संलगन है। आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, चालान की प्रति, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र, पंचनामा एवं अंकसूची संलग्न है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को उज्जर आपत्ति या दावा हो तो वह स्वय अथवा मान्य अधिवक्ता अथवा वैध अभिकर्ता के मय दस्तावेज दिनाक 21/01/2026 तक अक्षरकर्ता के न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि पश्चात्प्राप्त दावा या आपति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 08/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार पत्थलगाव
जिला जशपुर (छ०ग०)

नयाग्रालय तहसीलदार राजपुर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज(छ.ग.) रा०प्र०क्र० ब-121/2024-25 ग्राम मरकाडाड तहसील राजपुर ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण आम जनता ग्राम मरकाडाड को सूचित किया जाता है कि आवेदक लखन प्रजापत्ति आ० जरहू प्रजापति जाति कुम्हार निवासी ग्राम मरकाडाड थाना राजपुर तहसील राजपुर जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०) द्वारा अपने पिता स्व० स्व. जरहू प्रजापति आ० लवरी की मृत्यु ग्राम मरकाडाड में दिनांक 10/12/2018 को हुआ है।किन्तु मृत्यु पंजीयन कार्यालय में नियत समय में अज्ञानता वंश कार्य व्यस्तता के कारण पंजीयन नहीं करा पाने के कारण पंजीयन हेतु आवेदन पत्र शपथ पत्र पेश है। जो न्यायालय में मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु विचाराधीन है। आवेदक के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से पेशी तिथि 15/01/2026 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनाक के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 31/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया

कार्यपालिक दंडाधिकारी
राजपुर जिला बलरामपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा रा०प्र०क्र० //अ-20 (3)/2025-26 ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका अनिता गोस्वामी पत्नी संतोष गोस्वामी, सुनीता गोस्वामी पत्नी धनंजय गोस्वामी, संगीता गोस्वामी पत्नी शिवपूजन निवासी अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा के द्वारा अपने संयुक्त स्वामित्व की मोहल्ला केदारपुर, अम्बिकापुर शीट नम्बर-03 नगर अम्बिकापुर स्थित भूमि 1126/4, 1127/4 रकबा 0.00,1/2, 0.02,1/4 एकड़ भूमि व मकान से अपना हक अनावेदक/केता अनिल गोस्वामी आ० भोला गोस्वामी निवासी केदारपुर अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के पक्ष में हक त्याग करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रदान करने हेतु मेन्टनेन्स खसरा, दस्तावेज सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-06/02/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः 15/01/2026 मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा रा०प्र०क्र० //अ-20(3)/2025-26 ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक कृष्ण कुमार अग्रवाल आ० चेतराम अग्रवाल उम्र 53 वर्ष निवासी कुण्डला वंसुधरा सिटी अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व की शीट नम्बर-8 मोहल्ला सदर रोड नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 2854/2 घ रकबा 399 वर्गफीट एवं 2854/2 ड़ रकबा 399 वर्गफीट भूमि को अनावेदक/केता मो० अशफाक इराकी पिता फारूक इराकी निवासी प्रतापपुर जिला-सूरजपुर छ०ग० के पास बिकय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-06/02/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः-08/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ०ग०) रा०मा०क्र० /ब-121/2025-26 ग्राम पत्थलगांव, तहसील पत्थलगांव ईश्तहार

एतद द्वारा आम जनता ग्राम पंचायत पत्थलगांव को सूचित किया जाता है, कि आवेदक सोनसाय यादव, पिता नान्हीराम, जाति रावत, निवासी नगर पंचायत पत्थलगांव, तहसील पत्थलगांव जिला-जशपुर (छ०ग०), द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर अपने भतीजा अशोक कुमार यादव की दिनांक 25/10/1975 को नगर पंचायत पत्थलगांव में जन्म हुआ है। जिसका नाम नगर पंचायत पत्थलगांव के जन्म पंजी में दर्ज किये जाने का निवेदन किया गया है। आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, चालान की प्रति, अनुपलब्धता प्रमाण-पत्र, पंचनामा एवं अंकसूची संलग्न है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को उजर आपत्ति या दावा हो तो वह स्वयं अथवा मान्य अधिवक्ता अथवा वैध अभिकर्ता के मय दस्तावेज दिनांक 21/01/2026 तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियंत तिथि पश्चात्प्राप्त दावा या आपत्ति पर विधार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 08/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार पत्थलगाव
जिला जशपुर (छ०ग०)

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० ईश्तहार रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण कंचन पाण्डेय पति स्व. उमाकान्त पाण्डेय, आयुष पाण्डेय पिता स्व. उमाकान्त पाण्डेय नाबालिग द्वारा नैसर्गिक वली एवं संरक्षिका माता कंचन पाण्डेय पति स्व. उमाकान्त पाण्डेय, दोनों निवासी दरीपारा अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है. कि आवेदकगण के सास / दादी श्रीमती बारमनि देवी पुत्री पंचदेव मिश्रा पति स्व. बी.एन. पाण्डेय के स्वामित्व व अधिपत्य की मोहल्ला दरीपारा नगर अम्बिकापुर स्थित भूखण्ड क्रमांक 3594 रकबा 0.028 हेक्टेयर भूमि है। भूधारक बारमनि देवी की मृत्यु दिनांक 17/07/2014 को हो गई है। अतः भूधारक श्रीमती बारमनि देवी की मृत्यु हो जाने उपरांत आवेदकगण द्वारा स्वयं को मृत्तक भूधारक के वैद्य वारिसान बताते हुए उक्त भूखण्ड से उनका नाम विलोपित कर स्वयं का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 06/02/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 07/01/ 2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा रा०प्र०क्र०/ब-121/2025-26 ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका पुष्पा वराडे पत्नी पुरूषोत्तम वराडे जाति मराठी निवासी जोड़ापीपल केदारपुर अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा शीट नम्बर-03 मोहल्ला केदारपुर नगर अम्बिकापुर स्थित प्लाट नम्बर 1953/11 रकबा 0.05 एकड़ भूमि पर प्रस्तावित नक्शानुसार अनुसार भू-तल पर रकबा 62. 67 वर्गमीटर प्रथम तल पर रकबा 62.67 वर्गमीटर, परं आवासीय भवन निर्माण कराने हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टेनेन्स खसरा एवं प्रस्तावित ब्लूप्रिंट नक्शा की प्रति सहित आवेदन पत्र न्यायालय अपर कलेक्टर, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० में प्रस्तुत किया है जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 06/02/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांक 13/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

इतिहास बदलने की दास्तान है 'स्पेस जेन : चंद्रयान'

मुंबई। 'पंचायत' के मेकर्स की नई वेब सीरीज 'स्पेस जेनः चंद्रयान' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। यह सीरीज ओटीटी पर गणतंत्र दिवस के मौके पर रिलीज हो रही है। कहानी चंद्रयान-2 की असफलता के बाद की वैज्ञानिक चुनौतियों और फिर इतिहास रचने की दास्तान की है। यह वेब सीरीज हिंदुस्तान के उस सपने की कहानी है, जिसमें हारना और हार के बाद फिर से उठकर इतिहास बदलने की दास्तान है। यह कहानी है इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन के चंद्रयान-2 मिशन की नाकामी और फिर चंद्रयान-3 मिशन की ऐतिहासिक सफलता की। अनंत सिंह के डायरेक्शन में बनी यह सीरीज 'स्पेस जेनः चंद्रयान' के ट्रेलर की शुरुआत सवालों से होती है।

लाइफ Style

तापसी

दूसरों को गिराने के लिए दिए जा रहे पैसे

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अभिनेत्री तापसी पन्नू अपनी महिला आधारित फिल्मों और शानदार अभिनय के अलावा, अपनी बेबाकी के लिए भी जानी जाती हैं। तापसी अक्सर हर मुद्दे पर खुलकर अपनी राय रखती हैं। अब तापसी ने इंडस्ट्री में चलने वाले पीआर गेम पर अपनी राय रखते हुए इसकी आलोचना की है। साथ ही उन्होंने कहा कि वो खुद को इस पीआर गेम से दूर रखती हैं।

तापसी ने पीआर को लेकर सवाल भी उठाया है। एक बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने कहा कि आजकल इंडस्ट्री में पीआर गेम काफी बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि मैं अपने कामों में बहुत व्यस्त थी। लेकिन, पिछले डेढ़-दो साल से मैंने अपनी रफ्तार धीमी कर दी है और यह एक सोची-समझी कोशिश भी थी। मैंने महसूस किया है कि यह पीआर गेम एक अलग ही स्तर पर पहुंच गया है। आप या तो खुद को आगे बढ़ाने के लिए पैसे दे रहे हैं, जो पीआर करने का एक तरीका था। आप किसी और को नीचे गिराने के लिए भी पैसे दे रहे हैं। अभिनेत्री ने आगे कहा कि मुझे ये नहीं समझ में आता कि कब से आपकी सफलता किसी और की असफलता पर निर्भर करने लगी? लोग प्रासंगिक बने रहने के लिए अपने व्यक्तित्व का एक नया मुखौटा बना रहे हैं। मैं सिर्फ किसी हिट फिल्म में होने से संतुष्ट नहीं हूं, मुझे भी अपनी एक सशक्त आवाज चाहिए, भले ही वह आपकी न हो। लेकिन, आपको अपनी एक आवाज बनानी होगी। फिल्मों से परे आप जो आवाज बनाने की कोशिश कर रहे हैं, वह आपके काम से मेल नहीं खाती। यही विरोधाभास है। आप फिल्मों से परे होने की बात कर रहे हैं, लेकिन आपका काम कुछ और ही कह रहा है।

हॉलीवुड मसाला

साइरंस किस में आएंगे नजर

लॉस एंजिल्स। कोरियन सीरीज को लेकर भारत में भी अच्छा-खास क्रेज देखा जाता है। जल्द ही 'स्क्विड गेम'सीरीज एक्टर वी हाजुन एक नई कोरियन सीरीज 'साइरंस किस'में नजर आएंगे। इन दिनों भारतीय दर्शक कोरियन सीरीज को बड़ी संख्या में देख रहे हैं। ऐसे में कई स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर कोरियन सीरीज स्ट्रीम होती है। जल्द ही एक सीरीज 'साइरंस किस' भी दर्शक देख पाएंगे। साइरंस किस सीरीज में कॉन्फिडेंस क्वीन फेम की पार्क मिनयंग और स्क्विड गेम स्टार वी हाजुन नजर आएंगे।

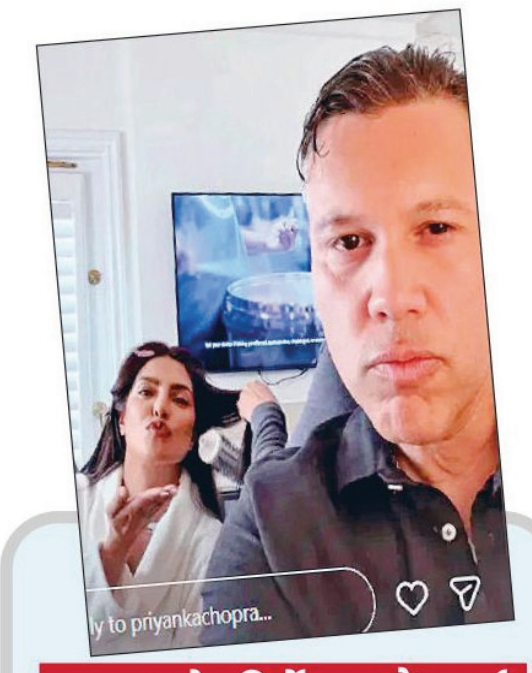

द ब्लफ के निर्देशक फ्रैंक ई. फ्लावर्स का किया वेलकम

लॉस एंजिल्स। प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी आगामी हॉलीवुड एक्शन फिल्म 'द ब्लफ' को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। आज प्रियंका ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर 'द ब्लफ' के निर्देशक फ्रैंक ई फ्लावर्स के साथ अपनी एक खास तस्वीर शेयर की है। इसके साथ ही प्रियंका ने फ्रैंक के लिए एक वेलकम नोट भी लिखा है। प्रियंका चोपड़ा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर आगामी एक्म 'द ब्लफ' के निर्देशक फ्रैंक ई. फ्लावर्स को लेकर एक पोस्ट शेयर किया है। प्रियंका ने फ्रैंक ई. फ्लावर्स के साथ एक खास तस्वीर इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की, जिसमें प्रियंका फ्लाइंग किस करती नजर आ रही है। और फ्रैंक उनके साथ सेल्फी खींचते नजर आ रहे हैं। यह तस्वीर शायद 'द ब्लफ' की शूटिंग के दौरान की है। इस तस्वीर के साथ प्रियंका ने कैप्शन में लिखा, 'फिल्म 'द ब्लफ' के निर्देशक फ्रैंक आपका इंस्टाग्राम पर स्वागत है।'

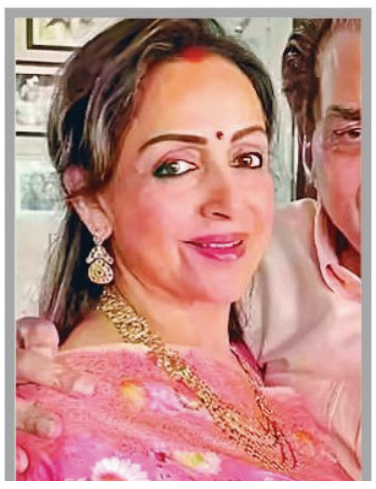

मैं धरम जी के बेटों के बेहद करीब...

मुंबई। हेमा मालिनी ने धर्मेंद्र के बेटों सनी और बॉबी देओल के बीच अनबन की अफवाहों को खारिज कर दिया है। एक इंटरव्यू में उन्होंने परिवार के आपसी संबंधों और सनी द्वारा धर्मेंद्र की विरासत को आगे बढ़ाने की योजनाओं के बारे में बात की। दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का 24 नवंबर 2025 को मुंबई में उनके घर पर निधन हो गया। वे 89 साल के थे। उनके निधन के बाद देओल परिवार के रिश्तों पर लोगों की नजर टिक गई। इन अफवाहों पर हेमा मालिनी ने एक इंटरव्यू में कहा, 'सनी और बॉबी के साथ मेरा रिश्ता हमेशा बहुत अच्छा और प्यार भरा रहा है। आज भी वैसा ही है। मुझे समझ नहीं आता कि लोग हमारे बीच कुछ गड़बड़ क्यों सोचते हैं। लोग बस गपशप करना चाहते हैं। मुझे उन्हें जवाब क्यों देना चाहिए? कोई सफाई देना जरूरी नहीं है?

अशरफ से जुड़ रहा नोरा का नाम...

मुंबई। नोरा फतेही अपनी अदाकारी और अपनी जबरदस्त डांस की वजह से सुर्खियों में रहती हैं। इस बार वह अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। नोरा फतेही मोरक्को मूल की हैं। वह 'अफ्रीका कप ऑफ नेशंस' 2025 के क्वार्टर फाइनल में मोरक्को की फुटबॉल टीम को चीयर करती दिखीं। इस टीम के कप्तान अशरफ हकीमी हैं। नोरा फतेही का नाम इसी फुटबॉलर से जोड़ा जा रहा है। अशरफ हकीमी की पहले स्पेनिश अभिनेत्री हिबा अबूक से शादी हो चुकी है। उनका रिश्ता 2020 से 2023 तक चला। उनके दो बच्चे आमीन और नईम हैं। साल 2023 में इस कपल का तलाक हो गया। हिबा स्पानश का कइ मशहूर फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। हाल ही में मोरक्को की टीम को जीत के बाद नोरा फतेही ने अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा 'जबरदस्त खेल था!

टीवी मसाला

सुनील लेकर आ रहे भारत के सुपर फाउंडर्स

नई दिल्ली। फिल्मों में अपना दमदार अभिनय दिखाने के बाद अब अभिनेता सुनील शेट्टी ओटीटी पर वापसी करने वाले हैं, वो भी एक अलग अंदाज में। सुनील शेट्टी एक नया रियलिटी शो ला रहे हैं, जिसका नाम है 'भारत के सुपर फाउंडर्स'। यह शो 16 जनवरी से शुरू हो रहा है। शो अमेजन एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम करेगा, जहां इसे बिल्कुल फ्री में देखा जा सकता है। शो का नया एपिसोड हर शुक्रवार-शनिवार दोपहर 12 बजे से स्ट्रीम करेगा। सुनील शेट्टी इस शो में बतौर होस्ट नजर आएंगे। शो का ट्रेलर सामने आ गया है। भारत के सुपर फाउंडर्स में उद्योग जगत के दिग्गजों का एक प्रतिष्ठित पैनल भारत के उन नए उद्यमियों का समर्थन करने के लिए एक साथ आया है। ये काफी हद तक 'शार्क टैंक' जैसा है। शो की थीम बिजनेस पर आधारित है, जिसमें नए बिजनेसमैन या इंट्राप्रेन्योर अपने आइडियाज और स्टार्टअप्स पैनल में मौजूद दिग्गज उद्यमियों से साझा करेंगे। इसके बाद अगर पैनल संतुष्ट होता है या पैनल का कोई एक सदस्य संतुष्ट होता है, तो उनके स्टार्टअप में इन्वेस्टमेंट करेगा। ट्रेलर में 100 करोड़ रुपये के इन्वेस्टमेंट पूल को प्रमुखता से दिखाया गया है, जो किसी भारतीय इंट्राप्रेन्योरियल रियलिटी सीरीज का अब तक का सबसे बड़ा अमाउंट है। इस निवेश को बिजनेस इंडस्ट्री के दिग्गजों के एक पैनल और रिकर क्लब का समर्थन प्राप्त है। शो का फोकस भारत भर के उन इंट्राप्रेन्योर्स पर है, जिनमें छोटे शहर और उभरते बाजार शामिल हैं। जो वास्तविक जरूरतों और मजबूत इरादों पर आधारित व्यवसाय स्थापित कर रहे हैं। सुनील शेट्टी शो में होस्ट और मेंटर के रूप में नजर आएंगे।

द 50 शो का पहला लुक आया सामने

नई दिल्ली। कलर्स टीवी पर नए रियलिटी शो 'द 50' का पहला लुक सामने आने के बाद से ही दर्शक एक्साइटेड हैं। हालांकि, मेकर्स ने फराह खान को होस्ट के रूप में दिखा दिया है, लेकिन कंटेस्टेंट्स और शो के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं बताई गई है। अब, 'द 50' के बारे में सारी बातें सामने आई है, ये एक ऐसा शो है जिसके बारे में मेकर्स का मानना है कि यह भारत में नॉन-फिक्शन टेलीविजन की दुनिया को बदल देगा। 1 फरवरी को प्रीमियर होने वाले उनके नए शो के बारे में पूछे जाने पर आलोक जैन ने बताया, 'द 50' में हम 50 सेलिब्रिटी कंटेस्टेंट्स को एक मंच पर लाएंगे और उन्हें कुछ बेहद एंटरटेनिंग टास्क पूरे करने होंगे। इसमें एलिमिनेशन भी होंगे। और लगभग 50 एपिसोड के बाद हमें विनर मिल जाएगा। रियलिटी शो 'द 50' का प्रीमियर 1 फरवरी से रात 9 बजे जियोहॉटस्टार और रात 10:30 बजे कलर्स टीवी पर होगा।

बॉलीवुड सेलेब्स ने मनाई लोहड़ी फैंस को दीं शुभकामनाएं

मुंबई। लोहड़ी का त्योहार खुशियों, समृद्धि और नई शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। लोहड़ी के खास मौके पर लोग अलाव जलाकर नाच-गाना करते हैं और उसकी परिक्रमा करते हैं। अग्नि में तिल, गुड़, गजक, रेवड़ी और मूंगफली डालते हैं। लोहड़ी के मौके पर कई बॉलीवुड सेलेब्स अक्षय कुमार, शिल्पा शेट्टी, अनिल कपूर और रवीना टंडन के अलावा कई सेलेब्स ने अपने फैंस को लोहड़ी की शुभकामनाएं दी हैं। रवीना टंडन ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह पिंक सूट में हाथ जोड़े लोहड़ी की शुभकामनाएं देती नजर आ रही हैं। इस पोस्ट के साथ रवीना ने लिखा, 'जैसे आज रात आग की लपटें नाचेंगी, वैसे ही आपका दिल भी खुशी और शांत जीत के साथ नाचे।' अक्षय कुमार ने इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर पर अपने फैंस को लोहड़ी की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। अक्षय ने पंजाबी में फैंस के लिए लिखा, 'आपको और आपके पूरे परिवार को लोहड़ी की लख-लख बधाई। वाहेगुरु जी आप सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें और सभी के घरों को खुशियों से भर दें।' शिल्पा शेट्टी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर की और लिखा, 'हैप्पी लोहड़ी, आपकी यह लोहड़ी जोरदार हंसी और परिवार के साथ ढेर सारी खुशी के पलों से भरी हो। यह एक नई शुरुआत है और आग सारी नेगेटिविटी को दूर ले जाए, सिर्फ रोशनी, गर्माहट और खुशी बाकी रहे।' अनिल कपूर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर की और फैंस को लोहड़ी की शुभकामनाएं देते हुए लिखा, 'आग की गर्मी आपके घर में खुशियां, समृद्धि और सफलता लाए।' जैकी श्रॉफ और 'बिग बॉस 19' की कंटेस्टेंट अशनूर कौर ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फैंस को लोहड़ी की शुभकामनाएं दी हैं। वहीं विक्की कौशल के पिता शाम कौशल ने भी सभी को लोहड़ी की लख-लख बधाई दी है। शाम कौशल ने लिखा, 'यह लोहड़ी आपके जीवन में ढेर सारी खुशियां लाए।'

रंग दे बसंती ने जगाया देशप्रेम, 3 इडियट्स ने दिखाई अलग राह, इन फिल्मों ने युवाओं का बदला नजरिया

नई दिल्ली। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को अलग तरह से सोचने की प्रेरणा दी। नई लीक पर चलने का साहस दिया। इन्हीं मूल्यों को हिंदी सिनेमा ने भी अपनाया है। यही कारण है कि कई फिल्में बॉलीवुड में ऐसी बनीं, जिन्होंने युवाओं को इंस्पायर किया। इन फिल्मों में बॉलीवुड के नामी कलाकारों ने भी अभिनय किया।

3 इडियट्स : आमिर खान की फिल्म '3 इडियट्स'को हर उम्र के दर्शकों ने पसंद किया था लेकिन इस फिल्म को सबसे ज्यादा युवा पीढ़ी ने सराहा। इस फिल्म से कई यंगस्टर इंस्पायर हुए। उन्हें जिंदगी में कुछ अलग और नया काम करने की हिम्मत मिली। फिल्म में तीन इंजीनियरिंग स्टूडेंस की कहानी थी। फिल्म में रेंचो (आमिर खान), राजू (शरमन जोशी) और फरहान (आर माधवन) के जरिए युवाओं को यह मैसेज दिया गया कि उन्हें वो काम करना चाहिए, जो खुशी दे। समाज के बनाए नियमों से पार जाकर अपने लिए अलग राह बनानी चाहिए, कुछ अलग सोचना चाहिए।

रंग दे बसंती : फिल्म 'रंग दे बसंती'ने युवाओं के मन में देशभक्ति का भाव पैदा किया था। देश के लिए कुछ करने की चाह पैदा की थी। फिल्म की कहानी में भगत सिंह जैसे स्वतंत्रता सेनानियों की सोच को अहमियत दी गई। इस फिल्म में आमिर खान ,सोहा अली खान, आर माधवन, सिद्धार्थ, शरमन जोशी, कुणाल कपूर, अतुल कुलकर्णी जैसे चर्चित कलाकार नजर आए थे। यह फिल्म युवाओं को भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने के लिए इंस्पायर करती है।

चक दे इंडिया : शाहरुख खान स्टारर फिल्म 'चक दे इंडिया में एक ऐसे कोच की कहानी थी, जो एक महिला हॉकी टीम को तैयार करता है। इस कहानी में कोच का रोल शाहरुख खान ने निभाया था। आज भी यह फिल्म स्पोर्ट्स लवर की फेवरेट बनी हुई है। वहीं इस फिल्म ने लड़कियों को खेलों में आने के लिए इंस्पायर भी किया था।

12वीं फेल : विक्रांत मैसी स्टारर फिल्म '12वीं फेल'भी यंगस्टर को बड़े सपने देखने के लिए इंस्पायर करती है। इस फिल्म में एक गरीब लड़के के आईएएस ऑफिसर बनने की कहानी है। यह फिल्म असफलता से निराश ना होने की बात करती है। ईमानदारी से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

दंगल : फिल्म 'दंगल'ने भी महिला सशक्तिकरण की बात बहुत ही अलग ढंग से फिल्म में कहा। कई युवा लड़कियों के लिए यह फिल्म एक प्रेरणा बन गई। आमिर खान की फिल्म 'दंगल' की कहानी पहलवान महावीर सिंह फोगट के जीवन पर आधारित थी। फिल्म में महावीर सिंह का रोल आमिर खान ने किया था। कैसे महावीर सिंह फोगट ने अपनी बेटियों को रेसलर बनाया, इसके लिए क्या-क्या संघर्ष किया, यही सब फिल्म में दिखाया गया है। फिल्म में फोगट बहनों का रोल फातिमा सना शेख, सान्या मल्होत्रा ने किया था।

कई फिल्मों में दिखा मकर संक्रांति का उल्लास और उमंग

बड़े पर्दे पर पतंगबाजी करते दिखे शाहरुख और सलमान

नई दिल्ली। मकर संक्रांति का उत्सव देश भर में उल्लास-उमंग के साथ मनाया जाता है। इस त्योहार में बड़े और बच्चे मिलकर पतंगबाजी भी करते हैं। इस त्योहार को बॉलीवुड फिल्मों में भी बड़ी खूबसूरती से दिखा गया है। हिंदी फिल्मों में भारतीय त्योहार कहानियों का अहम हिस्सा रहे हैं। हमारे त्योहारों, इसकी परंपरा पर फिल्मों में कई गाने भी सुनने को मिलते हैं। कई गाने तो बहुत हिट भी रहे हैं। होली, दिवाली, करवाचौथ के गीत बहुत बड़ी संख्या में हिंदी फिल्मों में रखे जाते हैं। 14 जनवरी को मकर संक्रांति का त्योहार है। मकर संक्रांति पर भी फिल्मी गीत, सीन्स कई बॉलीवुड फिल्मों में दिखे हैं।

हम दिल दे चुके सनम

सलमान खान और ऐश्वर्या राय की फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम(1999)' को दर्शकों से काफी प्यार मिला था। इस फिल्म में मकर संक्रांति का त्योहार दिखाया गया था। साथ ही एक गाना 'ढील दे दे रे भईया'सलमान खान पर फिल्माया गया था। वह फिल्म में पतंगबाजी करते हुए नजर आते हैं। यह गाना आज भी मकर संक्रांति पर खूब पसंद किया जाता है, पतंगबाजी करते हुए लोग इस गाने को गाते या सुनते हैं। सलमान खान की 2016 में रिलीज हुई फिल्म 'सुल्तान'में भी मकर संक्रांति की एक झलक मिलती है। एक सीन में उनका किरदार अपने गांव की गलियों में पतंगबाजी करता हुआ नजर आता है।

काई पो चे

दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की फिल्म 'काई पो चे'साल 2013 में रिलीज हुई। इस फिल्म में भी 'मांझा'नाम से एक गाना था, जिसमें सुशांत, राजकुमार राव और अमित साध दोस्तों के किरदार में नजर आते हैं। फिल्म में सभी मिलकर मकर संक्रांति का त्योहार मनाते हैं। यह गाना भी मकर संक्रांति के मौके पर लोग काफी पसंद करते हैं।

रईस

शाहरुख खान की फिल्मों में भारतीय त्योहारों पर कई गाने देखने को मिलते हैं। साल 2017 में उनकी फिल्म 'रईस' रिलीज हुई। इस फिल्म में 'उड़ी उड़ी जाए' गाने में मकर संक्रांति का उल्लास, उमंग दिखा। पतंगबाजी भी झलक भी मिली। इस गाने में शाहरुख खान के साथ पाकिस्तानी एक्ट्रेस माहिरा खान भी नजर आईं।

पतंग द काइट

साल 2011 में रिलीज हुई 'पतंग द काइट' फिल्म की कहानी तो मकर संक्रांति पर की जाने वाली पतंगबाजी के इर्द-गिर्द बुनी गई। इस फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी नजर आए थे। इस फिल्म में मकर संक्रांति पर होने वाली पतंगबाजी उत्सव के साथ एक परिवार के लोगों की जिंदगी, रिश्तों और सपनों को दिखाया गया है। तापसी पन्नू की फिल्म 'रश्मि रॉकेट' में भी मकर संक्रांति का सीक्वेंस दिखाया गया था। रश्मि की तेज दौड़ और पतंगबाजी को साथ में जोड़कर यह सीन फिल्म में दिखाया जाता है।

इन फिल्मों में दिखी लोहड़ी की धूम

मकर संक्रांति से पहले देश भर में लोहड़ी का त्योहार मनाया जाता है। हिंदी फिल्मों में भी लोहड़ी के रंग नजर आए हैं। शाहरुख खान और प्रीति जिंटा की 'वीर जारा', में लोहड़ी का त्योहार दिखाया गया। इस फिल्म में एक गाना 'लो आ गई लोहड़ी...' अमिताभ बच्चन और हेमा मालिनी पर फिल्माया गया। इसी तरह अजय देवगन और सोनाक्षी सिन्हा पर फिल्म 'सन ऑफ सरदार' में 'तू कमाल दी...' गाना फिल्माया गया, इस गाने में लोहड़ी का उत्सव, उल्लास दिखाया गया। फिल्म 'यमला पगला दीवाना' में भी लोहड़ी का त्योहार दिखाया गया था, जिसमें दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र नजर आए थे।

जिले में अब तक 1700764.40 क्विंटल धान की खरीदी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में जिले में अब तक 49 समितियों में किसानों से कुल 1700764.40 क्विंटल धान की खरीदी की गई है, साथ ही 450580 क्विंटल धान मीलिंग हेतु राईस मिलरों द्वारा उठाव कर लिया गया है।

जिले के 49 धान उपार्जन केन्द्र जिसमें धान खरीदी केन्द्र कपिलदेवपुर में 29199.60 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। इसी प्रकार बादा में 18754.80, कुसमी में 33724.40, जवाहरनगर में 19352, कामेश्वरनगर में 71486.80, कोदवा में 9980, गोपालपुर में 26406.40, भेंडरी में 14804.40, चांदों में 54847.60, जमड़ी में 69304, जिगड़ी में 16590, जोकापाट में 9741.60, डूमरपान में 37144.40, डिण्डों में 46011.20, डीपाडीह में 23542, डोंगरो में 24097.60, गांजर में 16208.40, त्रिकुण्डा में 44724, बगरा में 27707.20, तातापानी में 33400.40, धंधापुर में 49799.60, डौरा में 30798.40, पस्ता में 18349.60, बड़कागांव में 48625.60, बरतीकला में 44984, बरदर में 29544.80, आरा में 16483.60, बरियों में 44321.60, बलंगी में 29443.20, बलरामपुर में 54196.80, बसंतपुर में 44765.60, भुलसीकला में 16833.20, भंवरमाल में 50849.60, रामानुजगंज 33591.20, महाराजगंज में 56904, महावीरगंज में 27621.60, विजयनगर में 46894.80, रघुनाथनगर में 34031.20, रनहत में 33950.80, राजपुर में 70446.80, दोलंगी में 26252.80, रामचन्द्रपुर में 27533.60, रामनगर में 44894.80, वाड्रफनगर में 29779.20, स्याही में 28308.80, विरेन्द्रनगर में 48654.40, सरना में 34750, सेवारी में 40590 एवं सामरी में 11038 क्विंटल धान किसानों से खरीदी की गयी है।

स्कूल व विषयवार निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्राप्त होना चाहिए परीक्षा परिणाम : जयवर्धन

कलेक्टर ने बैठक लेकर शिक्षा व आदिम जाति विकास विभाग की समीक्षा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। गुरुवार को कलेक्टर एस जयवर्धन की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग व आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, परीक्षा परिणामों में सुधार, आपार आईडी व विभाग से संबंधित अन्य योजनाओं के सम्बंध में बिंदुवार चर्चा की गई।

शिक्षा विभाग की समीक्षा में परीक्षा परिणाम और आपार आईडी की अद्यतन स्थिति को लेकर गहन समीक्षा की गई। उन्होने अर्धवार्षिक परीक्षा परिणामों की विकासखंडवार गहन समीक्षा की। इसके साथ ही वार्षिक परीक्षा में बेहतर परीक्षा परिणाम प्राप्त करने के लिए उन्होंने संबंधितों को कार्य योजना बनाकर प्रतिबद्धता पूर्वक कार्य करने एवं उपचारात्मक कक्षाओं पर फोकस करने की बात कही। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्कूलवार व विषयवार निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम प्राप्त होना चाहिए। बैठक में आपार आईडी की अद्यतन की स्थिति भी जानकारी ली गई। जिसमें जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा बताया गया कि 87.01 प्रतिशत आपार आईडी का निर्माण कर लिया गया है। कलेक्टर ने इसकी प्रगति में शत-प्रतिशत करने के लिए विशेष फोकस करने की बात कही। जिन विद्यार्थियों के पास आपार आईडी में लगने वाले दस्तावेज नहीं है उन्हें शीघ्र अद्यतन करने के निर्देश दिये गए। इसके साथ ही आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग की समीक्षा में भी शैक्षणिक गतिविधियों व निर्माण कार्यो की विस्तृत समीक्षा की गई। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत विजेन्द्र सिंह पाटले, संयुक्त कलेक्टर पुष्पेंद्र शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा, सहायक आयुक्त घनश्याम सिंह, डीएमसी मनोज साहू विकासखंड शिक्षा अधिकारी सहित शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

वन, खनिज, उद्योग, एसईसीएल व श्रम विभाग की हुई समीक्षा बैठक

कलेक्टर द्वारा वन, खनिज, उद्योग, एसईसीएल एवं श्रम विभाग की मासिक समीक्षा बैठक ली गई। कलेक्टर ने एसईसीएल को अन्य विभागों से संबंधित लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण करने तथा गायत्री खदान में कोयला चोरी रोकने हेतु सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वन विभाग की समीक्षा में कलेक्टर ने बांस उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। वहीं खनिज विभाग की समीक्षा के दौरान खनिज से प्राप्त राजस्व की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली गई। इसके अलावा बैठक में विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही बाक पर्यटन क्षेत्र में पर्यटन विकास एवं श्रम विभाग के अंतर्गत एक प्रतिशत शेष उपकर संग्रहण की स्थिति की भी समीक्षा की गई।

ग्रामीण की हत्या कर शव को जलाने वाला आरोपी गिरफ्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मामूली विवाद पर गमछा से गला घोंटकर हत्या व शव को पेट्रोल डालकर जलाने के मामले में रामानुजनगर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या की उक्त वारदात को ग्राम तिवरागुड़ी चोरकीपानी में 4 जनवरी को अंजाम दिया गया था। बताया गया है कि 10 जनवरी को संतरा सिंह ग्राम जयपुर गोल्हाघाट ने थाना बैकुण्ठपुर में गुम इंसान दर्ज कराया कि इसका भाई टेकराम 47 वर्ष 25.12.25 को आवेदिका के घर घुमने आया था 4 जनवरी को शाम को अपने घर जाने के लिए निकला था पर घर नहीं पहुंचा। सूचना पर गुम इंसान कायम कर पतासाजी में लिया गया था, पता तलाश के दौरान खेलसाय ग्राम जयपुर गोल्हाघाट के द्वारा 4 जनवरी को घटना स्थल तिवरागुड़ी चोरकीपानी में एक व्यक्ति के घर के पास टेकराम को गमछा से गला घोटकर हत्या कर दिया और मृतक के लाश को रात्रि में ले जाकर अपने घर के पीछे बाड़ी में पेट्रोल डालकर आग लगा दिया और मृतक के शव को मिट्टी व सूखे पत्ते से ढक दिया और शव को 06 जनवरी को घुटरी पहाड़ के खाई में

फेंक दिया तथा 10 जनवरी को खाई से मृतक के जला हुआ जैकेट व गला घोटने में प्रयुक्त गमछा को प्लास्टिक बोरे में भरकर रघुवीरपुर प्लांटेशन जंगल में ले जाकर जला दिया। जिस पर मर्ग कायम कर जांच पंचनामा कार्यवाही किया गया। आरोपी का उक्त कृत्य धारा 103(1), 238 का अपराध घटित होना पाये जाने पर धारा सदर का थाना बैकुण्ठपुर में शून्य में अपराध पंजीबद्ध कर मूल घटना स्थल थाना रामानुजनगर क्षेत्र ग्राम तिवरागुड़ी चोरकीपानी का होने से थाना रामानुजनगर भेजा गया जिस पर रामानुजनगर पुलिस के द्वारा धारा 103(1), 238 बीएनएस के तहत नंबरी अपराध पंजीबद्ध किया गया। रामानुजनगर पुलिस ने विवेचना के दौरान संदेही खेलसाय पिता कवल साय सिंह 34 वर्ष जयपुर गोल्हाघाट थाना बैकुण्ठपुर जिला कोरिया को पकड़ा। पूछताछ पर उसने हत्या की वारदात को अंजाम देना स्वीकार कर बताया कि मृतक उसे घर छोड़ने का बोला जो उसे छोड़ने जाने के दौरान रास्ते में विवाद होने पर घटना को अंजाम दिया है जिसके निशानदेही घटना स्थल से मृतक के शव का अवशेष, मृतक का जला कपड़ा व पेट्रोल लाने में उपयोग किए गए डब्बा का डक्कन जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी रामानुजनगर अलरिक लकड़ा, एएसआई मनोज पोर्ते व अन्य सक्रिय रहे।

कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति में पैलेस गुट को मिला तब्बजो

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। प्रदेश कांग्रेस के द्वारा जारी की गई जिले के ब्लॉक अध्यक्षो की सूची में पैलेस समर्थक को तबज्जो मिलने पर मायूस कांग्रेसियों में खुशी का माहौल है। जिला अध्यक्ष की नियुक्ति के बाद कांग्रेस की गुटबाजी सड़क पर साफ दिखाई दे रही थी। पैलेस समर्थको में जहाँ मायूसी का आलम था वहीं पार्टी के कार्यक्रमो से भी उन्होंने दूरी बना ली थी। मगर ब्लॉक अध्यक्षो की जारी सूची में पैलेस गुट को महत्त्व दिए जाने से मायूस बैठे कांग्रेसियों में जान डाल दिया है। नवनियुक्त ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष और उत्साहित

टीएस सिंहदेव से मिले उत्साहित पदाधिकारी व कार्यकर्ता

कार्यकर्ता अपने वरिष्ठों के साथ अपनी टीम लेकर पूर्व उप मुख्यमंत्री टी एस सिंह देव से मुलाकात कर आशीर्वाद लेने पहुंचे थे। बताया गया है कि इस दौरान पार्टी के आगे की रणनीति भी बनाई गई है। पूर्व मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव से मुलाकात करने वालो में पूर्व

विधायक खेलसाय सिंह,पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष भगवती राजवाड़े, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष नरेश राजवाड़े, पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अश्विनी सिंह के साथ नवनियुक्त शहर ब्लॉक अध्यक्ष मनोज डालमिया, ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष जफर हैदर, सलका ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप राजवाड़े, भैयाथान ब्लॉक अध्यक्ष विधात्री सिंह, ओडगी ब्लॉक अध्यक्ष लवकेश गुर्जर, प्रतापपुर ब्लॉक अध्यक्ष जितेन्द्र दुबे सहित कांग्रेस की पूरी टीम महाराजा सरगुजा से मुलाकात किया और आगे की गतिविधियों के बारे ने विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान संगठन को मजबूत करने हेतु श्री सिंहदेव के द्वारा दिशा निर्देश दिया गया है। इस दौरान जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष राजीव सिंह,नगर पालिका अध्यक्ष कुसुमलता राजवाड़े,अखिलेश सिंह,कुमार सिंह देव, राजकुमारी मरावी, हेमेंद्र गुप्ता,एनएसयूआई जिलाध्यक्ष आकाश साहू सहित कांग्रेस की टीम उपस्थित थे।

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0) एवं भू-अर्जन अधिकारी, प्रतापपुर जिला सूरजपुर (छ0ग0)

भू-अर्जन पुनर्वास और पुर्नव्यस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 के धारा 21 के तहत लोक सूचना

क्रमांक 501/वाचक-2/2025 प्रतापपुर, दिनांक 02/01/2026

भू-अर्जन प्रकरण कमांक :- 202403260500035/अ-82/2022-23

ग्राम :- लोलकी, तहसील प्रतापपुर

चूंकि लोलकी जलाशय योजना अन्तर्गत नहर एवं डुबान क्षेत्र हेतु ग्राम लोलकी रा०नि०नं० प्रतापपुर तहसील प्रतापपुर की अर्जित की जा रही भूमि का कब्जा लेने का सरकार का आशय है और ऐसी भूमि के सारे हितों के लिये प्रतिकर दावे उससे लिये जा सकते हैं। अतएव अर्जित की जा रही निम्नांकित भूमि के संबंध में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि वे स्वयं या अपने अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 16.01.2026 को समय 12:00 बजे उपस्थित होकर भूमि पर अपने हक/माप/प्रतिकर के संबंध में तथा पुनर्वासन और पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकर के संबंध में अपना दावा पेश कर सकते हैं। उक्त तिथि में दावा प्रस्तुत न करने पर मान लिया जावेगा कि इस कार्यालय/न्यायालय द्वारा जो प्रतिकर निर्धारित किया जा रहा है, उस पर कोई आपत्ति नहीं है।

क्र.	भूमिस्वामी का नाम व पिता/पति का नाम/जाति	अर्जित भूमि का विवरण			भूमि का मुआवजा राशि	परिसम्पत्ति का मुआवजा राशि	वृक्षों का मुआवजा राशि	कुल मुआवजा राशि
		सर्वेक्षण संख्या	रकबा	भूमि का प्रकार				
1	अशोक कुमार, पिता-रामेश्वर प्रसाद; अनिल कुमार, पिता-रामेश्वर प्रसाद; विक्रमादित्य गुप्ता, पिता-सुनील कुमार गुप्ता; चन्द्रमादित्य गुप्ता, पिता-सुनील कुमार गुप्ता; श्रीमती बसंती देवी गुप्ता, पति-सुनील कुमार गुप्ता; संजय कुमार, पिता-रामेश्वर प्रसाद; धनन्जय कुमार, पिता-रामेश्वर प्रसाद, धर्मेन्द कुमार, पिता - रामेश्वर प्रसाद;	154	0.38	एक फसली	750880.00	0.00	0.00	750880.00
2	जानकी देवी, पति - रामेश्वर प्रसाद साय जाति कलवार	165	0.067	एक फसली	132392.00	0.00	0.00	132392.00
3	भैरोप्रसाद पिता दितवर जाति चेरवा	163	0.27	एक फसली	533520.00	0.00	0.00	533520.00
4	सोमारू, ननका आ० टेमका, ननकी बेवा टेमका जाति कोड़ाकू	152	0.096	एक फसली	189696.00	0.00	0.00	189696.00
5	संजय पिता रमेश्वर जाति कलवार	159	0.026	एक फसली	51376.00	0.00	0.00	51376.00
6	अनकुमार आ० जयमल जाति पिछड़ा वर्ग	167	0.18	एक फसली	355680.00	0.00	0.00	355680.00
	योग		1.019		2013544.00	0.00	0.00	2013544.00

अ.वि.अ. (रा.) एवं भू-अर्जन अधिकारी प्रतापपुर
जिला: सूरजपुर (छ.ग.)

जी-252606053/1

सड़क पर सुरक्षा, विकल्प नहीं जिम्मेदारी : प्रशांत

70 बाईक चालको को दिया गया हेलमेट

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सड़क सुरक्षा माह के तहत बुधवार को एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने 70 जरूरतमंद लोगों को हेलमेट वितरित कर सड़क सुरक्षा का संदेश दिया। हेलमेट पहनने की अनिवार्यता क्यों जरूरी है बताई और कहा कि सुरक्षा विकल्प नहीं जिम्मेदारी है। हेलमेट का सहयोग एनजीओ मिशन नेकी ने कराया था। इस अवसर पर एसएसपी ने सड़क सुरक्षा के विषयों से अवगत कराते हुए जरूरतमंदों को हेलमेट वितरित किया और कहा कि सड़क दुर्घटनाओं के मुख्य कारणों में बिना हेलमेट वाहन चलाना, तेज रफ्तार और यातायात नियमों की अनदेखी है। उन्होंने बाइक चालकों को समझाया कि एक छोटी सी लापरवाही न केवल उनकी जान जोखिम में डालती है, बल्कि पूरे परिवार को संकट में डाल देती है।

हेलमेट वितरण के दौरान एसडीओपी अभिषेक पैंकरा, निरीक्षक राजेन्द्र साहू, यातायात प्रभारी बृजकिशोर पाण्डेय, मिशन नेकी के श्रवण जैन, अमर द्विवेदी, तेजश गोयल, निकेत अग्रवाल, आर्यन तिवारी, मुदित जैन सहित पुलिस अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

बीमार हुआ 108 एम्बुलेंस, सेवा हुई ठप्प, मरीजों को हो रही दिक्कत

ग्रामीणों ने की व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिहारपुर। सूरजपुर जिले के पहाड़ी एवं सीमावर्ती क्षेत्र चांदनीडूबिहारपुर में 108 एंबुलेंस सेवा पूरी तरह से बदहाल स्थिति में है। गंभीर मरीजों को समय पर चिकित्सा सुविधा नहीं मिल पा रही, जिससे क्षेत्र में लगातार अनहोनी की आशंका बनी हुई है। 108 हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करने पर ग्रामीणों को बताया जाता है कि एंबुलेंस खराब है या फिर भैयाथान अथवा प्रतापपुर से एंबुलेंस भेजी जाएगी, जिसमें 2 से 3 घंटे का समय लग सकता है। गंभीर हालत में मरीजों के लिए यह इंतजार जानलेवा साबित हो रहा है। सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण

मोबाइल नेटवर्क की समस्या भी बड़ी बाधा बन रही है। कई बार 108 पर फोन लगाने पर कॉल मध्यप्रदेश में कनेक्ट हो जाता है, तो कई बार छत्तीसगढ़ में, सीमावर्ती मोबाइल टावरों की वजह से आपात सेवाओं से संपर्क में देरी हो रही है। ग्राम पंचायत कोल्हुआ निवासी चिंतामन जायसवाल की तबीयत अचानक बिगड़ने पर परिजनों ने 108 पर फोन किया। पहले कॉल मध्यप्रदेश में कनेक्ट हुआ, कई प्रयासों के बाद छत्तीसगढ़ की 108 सेवा से संपर्क हुआ। वहां से बताया गया कि एंबुलेंस खराब है और दूसरी एंबुलेंस भैयाथान से भेजी जाएगी। गंभीर हालत में मरीज को करीब 3 घंटे तक इंतजार करना पड़ा, तब जाकर एंबुलेंस पहुंची। इसी तरह 14 जनवरी को बिहारपुर क्षेत्र में राजकुमारी, की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। समय पर चिकित्सा सुविधा नहीं मिलने को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है।

इस मामले में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिहारपुर के प्रभारी सुरेश मिश्रा ने बताया कि108 एंबुलेंस लगभग एक महीने पहले भैयाथान में खराब हो गई थी, जो अब तक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिहारपुर वापस नहीं आई है इसी कारण क्षेत्र में एंबुलेंस सेवा प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि स्वास्थ्य केंद्र में एंबुलेंस नहीं होने से आपात स्थिति में मरीजों को निजी साधनों या दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाली एंबुलेंस पर निर्भर रहना पड़ता है। कई गांवों में मोबाइल नेटवर्क इतना कमजोर है कि लोगों को पहाड़ी इलाकों में जाकर फोन करना पड़ता है।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि बिहारपुर क्षेत्र में स्थायी 108 एंबुलेंस की तैनाती, नेटवर्क समस्या का समाधान, और स्वास्थ्य सेवाओं की नियमित निगरानी की जाए, ताकि भविष्य में किसी की जान व्यवस्था की लापरवाही की भेंट न चढ़े।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग रामानुजगंज

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक-127/NIT-8/2025-2026/व.ले.लि. दिनांक : 13.01.2026

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 23.01.2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक

ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 30.01.2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि :- 02.02.2026 पूर्वान्ह 11.30 बजे से

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम/ NoOfCalls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख मे) अमानत राशि(रू.मे) बैंक सेल्वेन्सी (रू.मे	कार्य की अवधि
1	2	3	6
8 T0064	जिला मुख्यालय रामानुजगंज में डिजिटाइजेशन एवं स्कैनिंग कार्य के सुचारू संचालन हेतु 20-25 कर्मचारियों की क्षमता वाले कक्ष का निर्माण कार्य प्रथम आमंत्रण	5.43 4075.00 300000.00	04 माह
8 T0065	उपसंभाग रामानुजगंज अंतर्गत विभिन्न मार्गो में रोड सर्वे का कार्य भाग-१ प्रथम आमंत्रण	8.23 6200.00 300000.00	01 माह
8 T0066	उपसंभाग रामानुजगंज अंतर्गत विभिन्न् मार्गो में रोड सर्वे का कार्य भाग २ प्रथम आमंत्रण	8.30 6250.00 300000.00	01 माह
8 T0067	उपसंभाग कुसमी अंतर्गत विभिन्न मार्गो में रोड सर्वे का कार्य प्रथम आमंत्रण	9.68 7500.00 300000.00	01 माह
8 T0068	उपसंभाग वाड्रफनगर अंतर्गत विभिन्न मार्गो में रोड सर्वे का कार्य प्रथम आमंत्रण	7.11 5500.00 300000.00	01 माह

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत प्रति निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग
रामानुजगंज

जी-252606045/1

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी(रा0) अम्बिकापुर
जिला सरगुजा (छ.ग.)

रा0प्र0क्र0 /अ-02/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक राजलक्ष्मी पत्नी सुभाष मित्तल जाति अग्रवाल निवासी प्रतापपुर तहसील प्रतापपुर जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा निवेदन किया गया है. कि उसके स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर नंबर 4620/7, रकबा 0.020 हे० भूमि जिसे उसने द्वारिका प्रसाद आ० धनपत अग्रवाल निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर के द्वारा कय पत्र से प्राप्त हुआ है, तथा जो भूमि वर्ष 1982-83 में द्वारिका प्रसाद आ० धनपद अग्रवाल के नाम से व्यपवर्तित हो चुकी है, उक्त भूमि का पुर्ननिर्धारण के लिए आवेदन पत्र, व्यपवर्तन प्रमाण पत्र, संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 21/01/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 15/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा)
अम्बिकापुर

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

चुनाव आयोग द्वारा थोपे गए नए नियमों से हजारों मतदाता हो सकते हैं मताधिकार से वंचित

पूर्व उपमुख्यमंत्री ने एसआईआर और मनरेगा बचाओ संघर्ष को लेकर की बैठक

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने गुरूवार को एसआईआर और मनरेगा बचाओ संघर्ष को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी सहित सभी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं मंडल अध्यक्षों की संयुक्त बैठक की। एसआईआर की दावा-आपत्ति प्रक्रिया के अंतिम दौर में ए और बी कटेगरी के लाखों मतदाताओं के सत्यापन की बात सामने आने के बाद इस बैठक का आयोजन किया गया था। राजनैतिक दलों के साथ साप्ताहिक बैठक में अनुविभागीय अधिकारी अंबिकापुर के द्वारा यह अनौपचारिक जानकारी दी गई थी कि ए और बी कटेगरी के ऐसे मतदाता जिनके नाम के अक्षरों का मिलान 2003 की सूचि से नहीं हुआ है, ऐसे एक ही पिता नाम से जुड़े 6 से अधिक मतदाता, ऐसे मतदाता जहां पिता पुत्र की आयु का अंतर 15 वर्ष से कम है या 40 वर्ष से अधिक है एवं ऐसे मतदाता जिनके दादा की आयु से अंतर 40 वर्ष से कम है, जांच के दायरे में है।

साप्ताहिक बैठक में जानकारी मिली थी, कि ऐसे मतदाताओं की संख्या दो लाख से ज्यादा है। इनको वेरिफिकेशन के लिए दस्तावेज देने होंगे जिन्हें बीएलए एप के माध्यम से अपलोड करेंगे, तभी ऐसे मतदाताओं का नाम अंतिम सूची में शामिल होगा। एसआईआर प्रक्रिया के प्रारंभ में जारी गाइडलाइन में इन नियमों का उल्लेख नहीं था। पूर्ववर्ती नियम के अनुसार जिस व्यक्ति के स्वयं का नाम 2003 की सूचि में था या उसके माता-पिता का नाम इस सूची में था, उसे कोई दस्तावेज नहीं देना था, लेकिन नए नियमों को लागू करने के बाद अकेले सरगुजा जिले में लाखों मतदाताओं को दस्तावेज दिखलाने पड़ेंगे। इस काम के लिए 19 जनवरी तक की तिथि निर्धारित की गई है जो कि अपर्याप्त है। नए गाइडलाइन से बैठक को अवगत कराने के बाद कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने जानकारी दी कि इस विषय में जिला निर्वाचन अधिकारी के साथ ही प्रदेश निर्वाचन पदाधिकारी एवं मुख्य चुनाव आयुक्त को भी पत्र लिखकर अविलंब जानकारी एवं सूची मांगी गई है।

''ऐसे मतदाता जिनके नाम के अक्षरों का मिलान 2003 की सूचि से नहीं हुआ है, ऐसे एक ही पिता नाम से जुड़े 6 से अधिक मतदाता, ऐसे मतदाता जहां पिता-पुत्र की आयु का अंतर 15 वर्ष से कम या 40 वर्ष से अधिक है, ऐसे मतदाता जिनके दादा की आयु से अंतर 40 वर्ष से कम है, जांच के दायरे में''

चुनाव आयोग का काम प्रत्येक वयस्क को मताधिकार देना है

बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के सभी बीएलए अपने-अपने बूथ के बीएलओ के साथ तत्काल संपर्क स्थापित कर प्रभावित होने वाले मतदाताओं की सूची प्राप्त करें और बीएलओ के माध्यम से उनके दस्तावेजों को एप में अपलोड कराने का काम करें। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के द्वारा अनायास थोपे गए नए नियमों के कारण बड़ी मात्रा में गरीब और साधन विहीन मतदाता को मताधिकार से वंचित होना पड़ सकता है। चुनाव आयोग का काम प्रत्येक व्यस्क को मताधिकार देना है न कि मतदाता सूची में नाम जुड़वाने में आवरोध पैदा करना। इस दौरान पूर्व केबिनेट मंत्री अमरजीत भगत, अजय अग्रवाल, जेपी श्रीवास्तव, डॉ. अजय तिर्की, विक्रमादित्य सिंहदेव, रामविनय सिंह, मो. इस्लाम, सिद्धार्थ सिंहदेव, विनय शर्मा, इंद्रजीत सिंह धंजल, प्रदीप गुप्ता पालू, बलराम यादव, अमित सिंहदेव, विक्रम सिंह, प्रदीप गुप्ता, नारद गुप्ता, संजय विश्वकर्मा, विनित जायसवाल, अनीमा केरकेट्टा, विनित जायसवाल, ओमप्रकाश सिंह मौजूद थे।

वीबी-जी राम जी के तहत गांव-गांव मांगा जाएगा रोजगार

मनरेगा के स्थान पर केन्द्र सरकार के द्वारा लाए गए वीबी-जी राम जी योजना के तहत कांग्रेस गांव गांव जाकर पंजीकृत मजदूरों को काम मांगने के लिए आवेदन लगवाएगी। कांग्रेस के मनरेगा बचाओ संघर्ष आन्दोलन में यह एक महत्वपूर्ण कदम होगा। पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि लगभग एक साल से मनरेगा अन्तर्गत काम ठप हैं। कांग्रेस के कार्यकर्ता गांवों में जाकर मनरेगा के पंजीकृत मजदूरों को काम मांगने के लिए प्रेरित करें। रोजगार के लिए प्रस्तुत आवेदनों को सार्वजनिक करें। इस बात की पूरी गारंटी है कि रोजगार देने में सरकार विफल साबित होगी और नई योजना के आड़ में रोजगार की गारंटी देने वाले नियम को समाप्त करने के उसके प्रयास की पोल खुल जाएगी। पूर्व केबिनेट मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि मनरेगा हर हाथ को काम देने की रोजगार गारंटी स्कीम थी, उसके स्थान पर लाई गई योजना छलावा है। हम इस बात को रोजगार गारंटी के पंजीकृत मजदूरों तक ले जाएंगे।

नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों का सम्मान

बैठक से एक दिन पूर्व ही छत्तीसगढ में नए ब्लॉक अध्यक्षों के नियुक्ति का पत्र एआईसीसी से जारी हुआ था। बैठक में सरगुजा जिले के दसों सांगठनिक ब्लॉक के नवनियुक्त अध्यक्ष मौजूद थे। सभा पूर्व उपमुख्यमंत्री के हाथों उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा गया। इन्हें संबोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने अतिशिघ्र कार्यकारणी गठन कर पार्टी की विचारधार के पक्ष में संगठन को मजबूत करने को कहा।

तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी भर्ती प्रक्रिया की समय-सारणी घोषित

कोरोना कालीन सेवा अनुभव प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने संबंधी निर्देश जारी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं, छत्तीसगढ़ द्वारा दिनांक 28 मार्च 2025 को संभाग एवं जिला स्तरीय तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी (स्टाफ नर्स, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक पुरुष-महिला, वार्ड बॉय एवं वार्ड आया) के कुल 525 पदों पर सीधी भर्ती हेतु विज्ञापन प्रकाशित किया गया था। उक्त भर्ती प्रक्रिया अंतर्गत व्यापम द्वारा संबंधित पदों की परीक्षा आयोजित कर परीक्षा परिणाम वेबसाइट पर अपलोड किया जा चुका है। छत्तीसगढ़ शासन, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के आदेश दिनांक 07 दिसंबर 2021 एवं 03 फरवरी 2023 के अनुसार, कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान छत्तीसगढ़ राज्य के शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में नियुक्त अभ्यर्थियों को एक वर्ष में न्यूनतम 06 माह के कार्य अनुभव का लाभ दिया जाना है। इस संबंध में व्यापम द्वारा आयोजित परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि वे 15 दिवस के भीतर संबंधित जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर अनुभव प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

अभ्यर्थियों हेतु आवश्यक निर्देश

अभ्यर्थी कोरोना वैश्विक महामारी दौरान जिस जिले में कार्यरत रहे हैं, उसी जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, छत्तीसगढ़ को आवेदन प्रस्तुत करेंगे। अनुभव प्रमाण पत्र निर्धारित प्रपत्र परिशिष्ट 'अ' में ही मान्य होगा। अभ्यर्थियों को नियुक्ति आदेश, ज्वाइनिंग आदेश एवं वेतन संबंधी दस्तावेज अनिवार्य रूप से संलग्न करने होंगे। केवल मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा जारी अनुभव प्रमाण पत्र ही मान्य किया जाएगा। अभ्यर्थियों द्वारा अनुभव प्रमाण पत्र 14 जनवरी से 29 जनवरी 2026 तक संबंधित मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में केवल स्पीड पोस्ट के माध्यम से, कार्यालयीन समय में जमा किया जाना अनिवार्य होगा।

भर्ती प्रक्रिया की संभावित समय-सारणी

अनुभव प्रमाण पत्र जमा करने की अवधि-14 जनवरी से 29 जनवरी 2026। संभाग स्तरीय समिति द्वारा सत्यापन-30 जनवरी से 08 फरवरी। सत्यापित दस्तावेज संचालनालय को प्रेषण 09 फरवरी । संचालनालय द्वारा मेरिट सूची जारी-10 फरवरी से 18 फरवरी। दावा-आपत्ति प्रस्तुत करने की अवधि-19 फरवरी से 24 फरवरी। अंतिम मेरिट सूची का प्रकाशन 10 मार्च 2026 तक। विभागीय वेबसाइट पर सभी संबंधित अभ्यर्थियों से निर्धारित समय-सीमा का पालन करते हुए आवश्यक दस्तावेज समय पर प्रस्तुत करने कहा गया है, ताकि भर्ती प्रक्रिया सुचारू रूप से पूर्ण की जा सके।

विकसित भारत-जी राम जी विधेयक से गांव-गरीब और आमजन का भविष्य संवरेगा

जन-जागरण अभियान के तहत 16 जनवरी को संकल्प भवन में होगी जिला कार्यशाला

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भारतीय जनता पार्टी सरगुजा द्वारा विकसित भारत-जी राम जी विधेयक को लेकर जन-जागरण अभियान अंतर्गत एक महत्वपूर्ण जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन 16 जनवरी, शुक्रवार को अपरान्ह 2 बजे, संकल्प भवन भाजपा कार्यालय, अंबिकापुर में किया जा रहा है।

भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने बताया कि विकसित भारत-जी राम जी विधेयक कार्यशाला में जी राम जी बिल पर अतिथि वक्ताओं का व्यापक मार्गदर्शन मिलेगा। उन्होंने पार्टी के सभी अपेक्षित पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं संगठनात्मक दायित्वधारियों से जिला कार्यशाला में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर अभियान को सफल बनाने की अपील की है। कार्यशाला में जिला में निवासरत भाजपा प्रदेश पदाधिकारी एवं कार्यसमिति सदस्य, भाजपा जिला पदाधिकारी, मोर्चा प्रदेश पदाधिकारी, संभाग प्रभारी, जिला प्रभारी, सह प्रभारी, सांसद एवं विधायक, निगम, मंडल व बोर्ड के अध्यक्ष, पूर्व जिलाध्यक्ष, जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, नगर निगम महापौर, सभापति, विभिन्न प्रकोष्ठों के जिला संयोजक, मंडल अध्यक्ष, महामंत्री, अभियान जिला टोली, मंडल अभियान संयोजक, सह संयोजक, सभी मोर्चा जिलाध्यक्ष तथा सहकारी बैंक जिलाध्यक्ष की उपस्थिति अपेक्षित है। भाजपा जिला महामंत्री विनोद हर्ष ने बताया कि यह कार्यशाला विकसित भारत-जी राम जी जन-जागरण अभियान की दिशा और रणनीति तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

आग से झुलसी वृद्ध महिला की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। आग की चपेट में आई वृद्ध महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने बताया 9 जनवरी की रात को लगभग 11 बजे सौरभ प्रभाकर निवासी दर्रीपारा अपने घर से बाहर निकला तो बगल में रहने वाली मामी मृतिका तेतरी भुंइया पति कंजल भुंइया 76 वर्ष के घर से धुआं निकल रहा था। इसकी जानकारी वह भाई साहिल और बहन सोनम को दिया। इसके बाद वे मामी तेतरी के घर में झांककर देखे तो वह आग से जल रही थी। पानी डालकर आग बुझाने के बाद ऑटो से उसे लेकर मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे, इलाज के दौरान 15 जनवरी को अलसुबह 5.50 बजे वह दम तोड़ दी। पुलिस ने मृतिका के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

घायल को किनारे करके साथी घर गया और मुर्गा खाकर सो गया

सड़क किनारे अधेड़ की लाश को सुबह ग्रामीणों ने देखा, पुलिस ने कराया शिनाख्त

छ.ग.फ्रंटलाइन उदयपुर। थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत सानीबर्रा के ग्राम सुखरी भंडार में आम अमली के पास गुरूवार को दोपहर करीब 11 बजे ग्रामीणों को सड़क किनारे एक अधेड़ व्यक्ति की लाश मिली। ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत सरपंच मनबोध सिंह मरकाम को इसकी सूचना दी, उन्होंने उदयपुर पुलिस को इससे अवगत कराया। पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई। लाश को सरपंच, पंचों और पुलिस के सहयोग से सीएससी उदयपुर के मर्चुरी में रखवाया। देर शाम थाना प्रभारी शिशिर कांत सिंह ने बताया कि मृतक ग्राम

विनिया का लखन राम मझवार है। वह गांव के ही रोहन राम मझवार के साथ उपेंद्र गुप्ता का मोटरसाइकिल लेकर उदयपुर जा रहा था। शराब के नशे में हुई दुर्घटना में लखन राम को गंभीर चोटें आईं और वह सड़क के किनारे पड़ा था। इस बीच उसका साथी रोहन राम उदयपुर जाकर मुर्गा-चिकन लेकर लौटा, तो लखन राम बेसुध अवस्था में पड़ा था। रोहन उसे सड़क से किनारे किया और 16 किलोमीटर वापस पैदल चलकर घर पहुंचा। रात को चिकन बनाकर खाया और सो गया। सुबह ग्रामीणों ने उसका शव देखा। उसके नाक से खून निकला था और घुटने में चोट का निशान था। फिलहाल पुलिस पंचनामा बनाकर लाश को मर्चुरी में रखवाई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के सटीक कारण और आगे की कार्रवाई स्पष्ट होगी। घटना शराब के नशे में वाहन चलाने से बनी स्थिति को उजागर कर रही है।

फाईलेरिया मुक्ति अभियान 10 से 25 फरवरी तक, लोगों से दवा सेवन की अपील

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी.एस मार्को के निर्देशानुसार एवं जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. राजेश कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में जिले में फाईलेरिया (हाथीपांव) जैसी गंभीर बीमारी के उन्मूलन के उद्देश्य से वर्ष 2026 में सामूहिक दवा सेवन अभियान में 10 फरवरी से 25 फरवरी 2026 तक फाईलेरिया रोधी दवा पूरे योग्य जनसमूह को खिलाया जाएगा। अभियान को सफल बनाने हेतु स्कूल, कॉलेज तथा अन्य विभागों में प्रचार-प्रसार एवं समन्वय किया जा रहा है।

जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. राजेश कुमार गुप्ता ने बताया कि सामूहिक दवा सेवन अभियान के तहत जिले के सभी विकासखण्डों में निर्धारित तिथियों पर स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, मितानिनों एवं स्वयं सेवकों के माध्यम से लक्षित जनसंख्या को नि:शुल्क दवाइयां (एल्बेंडाजोल, डी ई सी, आईवरमेक्टीन) खिलाई जाएगी। दो वर्ष से कम आयु के बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को छोड़कर शेष सभी नागरिकों को दवा सेवन कराया जाएगा। यह दवा पूर्णत: सुरक्षित है एवं फाईलेरिया रोग के बचाव हेतु अत्यंत प्रभावी है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि दवा सेवन अवश्य करें एवं अभियान को सफल बनाने में योगदान देवें।

रोग का प्रसार एवं लक्षण-जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि फाइलेरिया परजीवी से ग्रसित क्यूलेक्स मच्छर के द्वारा मनुष्यों में रोग का संचार होता है। क्यूलेक्स मच्छर गंदे पानी में पनपते हैं, इसलिए अपने आस-पास पानी जमा होने न दें और गंदगी फैलने से रोकें। इस रोग में दिखाई देने वाले लक्षणों में हाथ व पैर सूजन मोटापन, पुरुषों में अण्डकोष में सूजन तथा महिलाओं में स्तनों में सूजन होते हैं। परजीवी संक्रमण के पश्चात् 5-6 वर्षों में लक्षण दिखाई देते हैं।

रिक्त संविदा पदों पर भर्ती हेतु चयन सूची जारी, 19 तक दावा-आपत्ति आमंत्रित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला मिशन प्रबंधन इकाई-सरगुजा अंतर्गत रिक्त संविदा पदों पर भर्ती हेतु पूर्ति हेतु पात्र अभ्यर्थियों की वरियता सूची एवं अपात्र सूची पर प्राप्त दावा-आपत्ति का चयन सूची द्वारा परीक्षण करते हुए निराकरण किया गया है। दावा-आपत्ति के निराकरण उपरांत पदवार अंतिम वरियता सूची एवं अपात्र सूची तैयार करते हुए अर्नंतिम चयन सूची तैयार किया गया है। प्रकाशित चयन सूची में दावा-आपत्ति की स्थिति में 19 जनवरी तक कार्यालयीन समय में संगत अभिलेखों सहित दावा/आपत्ति प्रस्तुत किया जा सकता है। सूची का अवलोकन जिले की वेबसाइट पर तथा जिला पंचायत के सूचना पटल पर किया जा सकता है।

जल संरक्षण से आजीविका का विस्तार, मनरेगा डबरी बना बहुउपयोगी साधन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण और आजीविका संवर्धन के उद्देश्य से मनरेगा अंतर्गत कराए गए कार्य किसानों के जीवन में स्थायी बदलाव ला रहे हैं। जिले के ग्राम पंचायत ससकालो निवासी बाबू नाथ के खेत में निर्मित डबरी जल संचयन के साथ आयवर्धन का प्रभावी माध्यम बन गई है। उन्होंने बताया कि डबरी निर्माण से वर्षा जल का संरक्षण हो रहा है, जिससे अब सिंचाई की सुविधा सहज रूप से उपलब्ध हो गई है। सिंचाई की बेहतर व्यवस्था होने से वे खेत में मौसमी साग-सब्जी का उत्पादन कर रहे हैं, जिससे फसल की उत्पादकता बढ़ी है और घरेलू जरूरतों के साथ बाजार में विक्रय कर अतिरिक्त आय भी प्राप्त हो रही है। बाबूनाथ ने आगे बताया कि डबरी में मछली पालन शुरू करने से कृषि के साथ एक नया व्यवसाय जुड़ा है। मछली पालन से नियमित आमदनी हो रही है, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है। अब खेती केवल जीविकोपार्जन का साधन नहीं रही, बल्कि आय बढ़ाने का माध्यम बन गई है। उन्होंने बताया कि डबरी में साग-सब्जी की खेती के साथ मछली पालन से उन्हें प्रतिवर्ष लगभग 60 से 70 हजार रुपये तक की आमदनी हो रही है। इससे परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है और कृषि कार्य अधिक फायदेमंद हो गई है। मनरेगा के तहत डबरी निर्माण से रोजगार के अवसर भी मिले और खेत की उपयोगिता बढ़ी। उन्होंने कहा कि डबरी निर्माण से जल संरक्षण, रोजगार और आजीविका तीनों उद्देश्यों को एक साथ पूरा कर रही है। ग्रामीण किसान अब प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर उपयोग कर आत्मनिर्भर बन रहे हैं, जिससे गांव की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो रही है।

टूरिस्ट बस का चक्का खलासी के ऊपर चढ़ने मौत, पिकनिक मनाने शहडोल से आए थे सैलानी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। ढलान में खड़ी बस को लुढ़कते देखकर खलासी चक्के में गुटका लगाने का प्रयास कर रहा था, इस दौरान बस का चक्का उसके ऊपर चढ़ गया। मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लाते तक उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, मध्य प्रदेश के दरभंगा चौक शहडोल का अख्तर नवाज खान पिता स्व. हैदर अली 36 वर्ष, टूरिस्ट बस क्रमांक एमपी 18 जेडबी 8377 में खलासी का काम करता था। 14 जनवरी को बस को बुक करके शहडोल से सैलानी सरगुजा संभाग के बलरामपुर जिला अंतर्गत शंकरगढ़ के दबगड़ी झरना में पिकनिक मनाने आए थे। सभी पिकनिक मना रहे थे, इस बीच ढलान में खड़ी टूरिस्ट बस अचानक पीछे की ओर जाने लगी। बस को पीछे जाने से रोकने के लिए खलासी अख्तर नवाज खान चक्के में गुटका लगाने का प्रयास रहा था, इसी दौरान बस का चक्का उसके ऊपर से गुजर गया, जिससे पिकनिक मनाने के लिए आए सैलानियों के बीच भगदड़ की स्थिति बन गई। बस में आए पर्यटक और चालक उसे आननफानन में शंकरगढ़ में स्थित शासकीय अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने स्थिति गंभीर देखते हुए उसे रेफर कर दिया। होली क्रॉस अस्पताल अंबिकापुर से भी जांच के बाद रेफर करने पर घायल खलासी को मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया, यहां आपातकालीन चिकित्सा परिसर में जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

युवक अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर खुदकुशी किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मणिपुर थाना क्षेत्र के भट्ठपारा में एक युवक अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर खुदकुशी कर लिया। मृतक नशे का आदी था। नशा मुक्ति केंद्र में स्वजन उसे भर्ती कराए थे, शराब के लत में सुधार होने के बाद स्वजन उसे घर लेकर आ गए थे, इसके बाद युवक अपने नाना के घर में रहता था। शहर के निजी अस्पताल में वार्ड ब्वाय का काम करने वाले भट्ठपारा निवासी मृतक के मामा राहुल जमके ने पुलिस को बताया कि 15 जनवरी को दोपहर के समय परिवार के सभी सदस्य घर के बाहर आंगन में थे, उनका भांजा मोहित जमके पिता मुकेश जमके 20 वर्ष, घर के अंदर कमरे में था। दरवाजा बंद देखकर परिवार के सदस्य दरवाजा खुलवाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन अंदर से किसी प्रकार की प्रतिक्रिया सामने नहीं आ रही थी। संदेह की स्थिति बनने पर दरवाजे के कुंडी को घर की एक महिला सदस्य सील लोढ़ा से तोड़ी। दरवाजा खुलने पर सामने आया कि मोहित पंखा के होलफास में रस्सी के सहारे फांसी पर लटका है। इसकी जानकारी परिवार के अन्य सदस्यों को मिलने पर वे उसे फांसी से उतारकर मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे, यहां आपातकालीन चिकित्सा परिसर में जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने पर मामले की अग्रिम जांच मणिपुर थाना पुलिस करेगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर